राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 04 मई 2024 वर्ष–7,अंक–100 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

मैं तो संकल्प लेकर देशवासियों की सेवा करने के लिए निकला हूं

राहुल के अमेठी सीट बदलने पर पीएम बोले- शहजादे-डरो मत! भागो मत!

दुर्गापुर ।(एजेंसी)

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण का मतदान 7 मई को हो गया। इसके लिए देश के सभी राजनीति दल चुनाव प्रचार में तेजी से जुट गए हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने आज पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर पहुंचे और वहां एक रैली को संबोधित किया। पीएम मोदी कहा कि मुझे देश ने और आप सबने इतना आशीर्वाद दिया है। उन्होंने कहा कि शायद कोई इंसान अपने जीवन में ऐसी कल्पना तक नहीं कर सकता है कि ईश्वर रूपी जनता जनार्दन इतने आशीर्वाद बरसाएं और लगातार बरसाएं और सालों-साल ये आशीर्वाद बढ़ता ही जा रहा है।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि मैंने पहले ही कह दिया था कि राहुल गांधी वायनाड में हार के डर से दूसरी सीट खोज रहे हैं। अब इन्हें अमेठी से भागकर रायबरेली सीट चुननी पड़ी है। ये लोग घूम-घूम कर सबको कहते हैं-डरो मत! मैं भी इन्हें यही कहूंगा-डरो मत! भागो मत! उन्होंने कहा कि मैं मौज करने के लिए पैदा नहीं हुआ हूं, मैं खुद के लिए जीना नहीं चाहता हूं। मैं तो आपकी सेवा का संकल्प लेकर देशवासियों की सेवा करने के लिए निकला हूं। पीएम ने कहा कि मोदी विकसित भारत बनाने के लिए, आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए दिन-रात एक कर रहा हूं। ये मैं अपने लिए नहीं, बल्कि अपनों के लिए कर रहा हूं। मेरे अपने मतलब-मेरा भारत, मेरा परिवार आपके सपनों के लिए संकल्प लेकर ही जी रहा हूं। उन्होंने कहा कि मैं टीएमसी सरकार से पूछना चाहता हूं कि यहां संदेशखाली में दलित बहनों के साथ इतना बड़ा अपराध हुआ। पूरा देश कार्रवाई की मांग करता रहा, लेकिन टीएमसी गुनहगार को बचाती रही। पीएम मोदी ने आगे कहा कि इन वोट के भूखे लोगों की पहले दो चरणों में लुटिया डूब चुकी है। अब ये खुलेआम एक नया खेल लेकर आए हैं। अब ये कहते हैं कि मोदी के खिलाफ वोट जिहाद करो। हमारे देश में दशकों से ये वोट जिहाद का खेल पर्दे के पीछे चलता था, चुपचाप चलता था। पहली बार वो इतने हताश और निराश हो चुके हैं कि वोट जिहाद की अब सार्वजनिक घोषणा कर रहे हैं। इसीलिए, वोट जिहाद की इस अपील पर कांग्रेस का शाही परिवार, टीएमसी परिवार और लेफ्ट परिवार चुप है। इसका मतलब इंडिया गंठबंधन के सारे चट्टे-बट्टे वोट जिहाद से सहमत हैं।

गांधी परिवार के लिए रायबरेली से राहुल अंतिम बादशाहः गिरिराज

पटना। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अमेठी छोड़ने और रायबरेली से चुनाव लड़ने को लेकर केंद्रीय मंत्री और बिहार के बेगूसराय सीट से बीजेपी प्रत्याशी गिरिराज सिंह ने कटाक्ष किया है। गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए दावा किया कि राहुल गांधी रायबरेली से गांधी परिवार के आखिरी बादशाह होंगे। गांधी परिवार जहां से हारता है, वहां फिर दोबारा नहीं जाता। राहुल गांधी अमेठी से हार गए तो उन्होंने सीट ही छोड़ दी, इस बार रायबरेली भी हारेंगे तो वो भी छोड़ देंगे, जिस तरह बहादुर शाह जफर हिंदुस्तान में मुगल सल्तनत के अंतिम बादशाह थे, गांधी परिवार के लिए रायबरेली से राहुल गांधी अंतिम बादशाह हैं। वहीं बिहार के पूर्व मंत्री नीरज कुमार ने कहा कि प्रियंका गांधी ने अमेठी से चुनाव लड़ने से इंकार कर कांग्रेस की उम्मीद पर पानी फेर दिया। राहुल गांधी भी स्मृति ईरानी से सामना करने को तैयार नहीं हैं। राहुल गांधी को दो सीटों से चुनाव लड़ना पड़ रहा है। कांग्रेस राजनीतिक जमीन खोती जा रही है। कांग्रेस भले राष्ट्रीय पार्टी का दम भरे लेकिन, स्थिति क्षेत्रीय पार्टी जैसी है। कांग्रेस रसातल की ओर जा रही है।

नौकरी-रोजगार,गरीबी-किसानी जैसे शब्द भूल गए मोदी : लालू यादव

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने पीएम नरेंद्र मोदी पर तंज कसा है। लालू यादव ने शुक्रवार को कटाक्ष करते हुए कहा कि मोदी नौकरी-रोजगार, गरीबी-किसानी जैसे शब्द भूल गए हैं। लालू यादव ने अपने सोशल साइट एक्स पर देशवासियों को संबोधित करते हुए लिखा कि हिंदी भाषा में आज करीब 1.5 लाख शब्द बताये जाते हैं और अध्ययन की सभी शाखाओं में तकनीकी शब्दों को मिलाकर करीब 6.5 लाख शब्द हैं। उन्होंने आगे लिखा-लेकिन, देश के पीएम नरेंद्र मोदी के सबसे पसंदीदा शब्द हैं-पाकिस्तान, श्मशान, कब्रिस्तान, हिन्दू-मुसलमान, मंदिर-मस्जिद, मछली-मुगल, मंगलसूत्र, गाय-भैंस। ऊपर की लिस्ट पहले दो चरणों के चुनाव होने तक की है। सातवें चरण तक इस लिस्ट में कुछ दो चार नाम और बढ़ सकते हैं। लालू यादव ने आगे लिखा-वे नौकरी-रोजगार, गरीबी-किसानी, महंगाई-बेरोजगारी, विकास-निवेश, छात्र-विज्ञान-नौजवान इत्यादि मुद्दे भूल गए है। उन्होंने बस विपक्ष की बातों को तोड़मरोड़ कर पेश करना आता है।

नीचे उतरते समय झुक गया हेलीकॉप्टर....पायलट हुआ घायल

रायगढ़ । महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में एक हेलीकॉप्टर नीचे उतरते समय एक ओर झुक गया जिससे उसका पायलट घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि हेलीकॉप्टर को इन दिनों चल रहे लोकसभा चुनावों के सिलसिले में एक सार्वजनिक रैली के लिए शिवसेना (यूबीटी) नेता सुषमा अंधारे को लेने जाना था। सुबह करीब साढ़े नौ बजे पायलट ने महाड में एक अस्थायी हेलीपैड पर हेलीकॉप्टर उतारने की कोशिश की और उस दौरान हेलीकॉप्टर एक ओर झुक गया। उन्होंने प्रारंभिक सूचनाओं के हवाले से कहा कि इस घटना में पायलट को चोटें आईं तथा हेलीकॉप्टर के 'रोटर ब्लेड' क्षतिग्रस्त हो गए।

हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

कोर्ट ने चाचा के श्राद्धकर्म में जाने की दी इजाजत, मीडिया से बातचीत पर लगाई रोक

रांची। झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका हाई कोर्ट ने खारिज कर दी। हेमंत सोरेन की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि ईडी जिस जमीन की बात कर रहा है, वह जमीन उनके नाम कभी रही ही नहीं। फैसला सुनाने में देरी होने पर हेमंत सोरेन की ओर से सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका दायर की गई थी, जिस पर 6 मई को सुनवाई होनी है।वहीं तीन दिन के प्रोविजनल जमानत के लिए दायर हेमंत सोरेन की याचिका पर शुक्रवार को जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय की कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद कोर्ट ने हेमंत सोरेन को अपने चाचा के श्राद्धकर्म में शामिल होने की इजाजत दे दी। अदालत कोर्ट ने कहा कि परिजनों के अंतिम संस्कार में शामिल होना व्यक्ति का अधिकार है। हेमंत सोरेन श्राद्धकर्म में हिस्सा ले सकेंगे, लेकिन वह मीडिया से दूर रहेंगे। हाई कोर्ट के अधिवक्ता धीरज कुमार ने बताया कि कोर्ट ने प्रोविजनल जमानत संबंधी याचिका को खारिज करने के साथ ही 6 मई को पुलिस कस्टडी में हेमंत सोरेन को चाचा के श्राद्ध कर्म में शामिल होने की इजाजत दे दी है। साथ ही हेमंत सोरेन को मीडिया से बातचीत और किसी राजनीतिक कार्यक्रम में शामिल होने पर रोक लगाई गई है। बता दें हेमंत सोरेन को ईडी ने 31 जनवरी को रांची से उनके घर से गिरफ्तार कर किया था। उन पर अवैध तरीके से जमीन खरीदने का आरोप है। पीएमएलए कोर्ट में ईडी उनके खिलाफ चार्जशीट दायर कर चुकी है। ईडी का कहना है कि 16 अगस्त 2023 को अंचलाधिकारी बड़गाईं को राजकुमार पाहन की ओर से उनकी जमीन पर कब्जे की शिकायत के बाद आनन-फानन में 29 जनवरी 2024 को एसएआर कोर्ट ने अंतिम रूप से राजकुमार पाहन को उक्त जमीन का मालिकाना हक दे दिया। यह मालिकाना हक भी उन्हें दिल्ली में हेमंत सोरेन के घर पर ईडी की छापेमारी के बाद दिया गया।

बूथ प्रबंधन से बेहतर चुनाव जीतने का कोई दूसरा रास्ता नहीं: अमित शाह

-बीजेपी कार्यकर्ता नये वोटरों और महिला मतदाताओं पर ध्यान दें

लखनऊ।(एजेंसी)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कानपुर की एक होटल में बीजेपी की संगठनात्मक बैठक में चुनावी रणनीति को लेकर पार्टी पदाधिकारियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने साफ तौर पर बताया कि बूथ प्रबंधन से बेहतर चुनाव जीतने का कोई दूसरा रास्ता नहीं है। उन्होंने बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र देते हुए कहा कि जो बूथ जीता वो चुनाव जीता।

शाह ने कहा कि पन्ना प्रमुख, मतदाताओं से संपर्क कर उन्हें बीजेपी का संकल्प पत्र देकर प्रधानमंत्री की गारंटी के बारे में बताएं और उनके घरों पर स्टीकर चिपकाएं। उन्होंने कहा कि जनता हमारे साथ है लोगों को मोदी की गारंटी पर भरोसा है। दो घंटे चली बैठक में अमित शाह ने पांचवें चरण की 14 लोकसभा सीटों की समीक्षा भी की। बरेली, बदायूं और सीतापुर में चुनावी जनसभाओं को संबोधित करने के बाद सीधे बैठक में पहुंचे अमित शाह ने कहा कि पहले दो चरणों का चुनाव बहुत अच्छा रहा है। बीजेपी की जीत के साफ संकेत मिल रहे हैं।

शाह ने कहा कि सामाजिक संपर्क को और बढ़ाएं। संपर्क के दौरान नये वोटरों और महिला मतदाताओं पर ध्यान दें। उन्हें पीएम मोदी की गारंटी के बारे में

जरूर बताएं। पन्ना प्रमुखों के साथ-साथ बीजेपी नेता व कार्यकर्ता 100 फीसदी लोगों से संपर्क करेंगे और सुबह 7 बजे ही अपना, अपने परिवार के सभी मतदाताओं का मतदान कराएं। शाह ने कहा कि तीसरे चरण से लेकर अंतिम चरण तक हर सीट पर जीत का अंतर और बढ़ाना है। इसके लिए कार्यकर्ता पूरा जोर लगाएं। घर-घर संकल्प पत्र पहुंचाएं और मतदाताओं के साथ उनके घरों में चाय पर संकल्प पत्र को लेकर चर्चा करें। शाह ने पांचवें चरण की लखनऊ, मोहनलालगंज, रायबरेली, अमेठी, जालौन, झांसी, हमीरपुर, बांदा, फतेहपुर, कौशांबी, बाराबंकी, फैजाबाद, कैसरगंज और गोंडा सीट की समीक्षा की।

हम अतिथियों के स्वागत में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे

अमेठी से राहुल के चुनाव नहीं लड़ने पर स्मृति का तंज

अमेठी।(एजेंसी)

रायबरेली से राहुल गांधी के चुनाव लड़ने को लेकर अमेठी के कांग्रेस कार्यकर्ता भी उदास हो गए हैं। क्योंकि पिछले काफी दिनों से कांग्रेस कार्यकर्ता राहुल गांधी से अमेठी से चुनाव लड़ने की अपील कर रहे थे और माना भी जा रहा था कि राहुल अमेठी से चुनाव लड़ेंगे। वहीं दूसरी और अमेठी से बीजेपी उम्मीदवार स्मृति ईरानी ने भी राहुल गांधी के अमेठी से चुनाव नहीं लड़ने को लेकर तंज कसा है। स्मृति ईरानी काफी समय से यह कह रही थीं कि राहुल गांधी को डर है वह अमेठी से चुनाव लड़ेंगे तो हार जाएंगे। इसी डर के चलते वह अमेठी आने से कतरा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और अमेठी लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार हैं। उन्होंने कहा मेहमानों का स्वागत है। हमलोग अतिथियों के स्वागत में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे, इतना ही कह दूं कि अमेठी से गांधी परिवार का ना लड़ना इस बात का संकेत है कि कांग्रेस पार्टी चुनाव में वोट पड़ने से पहले ही अपनी हार मान चुकी है। उन्होने कहा राहुल गांधी को लगता कि यहां जीत की कोई भी गुंजाइश हो तो वे यहां से लड़ते।

गैर जमानती वारंट कब जारी हो.....शीर्ष अदालत ने बताया

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अदालतें गैर जमानती वारंट यानी एनबीडब्ल्यू को रूटीन के तौर पर न जारी करें। शीर्ष अदालत ने कहा कि जब तक आरोपी के खिलाफ जघन्य अपराध का केस ना हो और उसके भगौड़ा होने या सबूत नष्ट करने का अंदेशा ना हो, तब तक गैर जमानती वारंट जारी नहीं करना चाहिए। जस्टिस संजीव खन्ना की अगुआई वाली बेंच ने कहा कि एनबीडब्ल्यू जारी करने को लेकर कोई समग्र गाइडलाइंस नहीं है लेकिन कई मौकों पर सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की हुई है, जिन्हें ध्यान में रखा जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में पेश मामले में आरोपी ट्रायल कोर्ट के सामने जमानती वारंट पर पेश नहीं हुआ था, इसके बाद गैर जमानती वारंट जारी किया गया था। आरोपी के खिलाफ मारपीट, धमकी, आपराधिक साजिश, गैर इरादतन हत्या का प्रयास आदि धाराओं के तहत चार्जशीट दाखिल की गई थी। यह केस लखनऊ के अलीगंज इलाके में दर्ज है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह तयशुदा कानूनी सिद्धांत है कि गैर जमानती वारंट रूटीन मैनर में जारी नहीं हो सकता है। किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता को यूं ही खत्म नहीं किया जा सकता है।

गैर जमानती वारंट कब?

गंभीर मामलों में भी पुलिस आरोपी को तब गिरफ्तार नहीं

करती जब तक वह जांच में सहयोग कर रहा होता है। इसतरह गिरफ्तारी जरूरी नहीं होती। पुलिस चार्जशीट पेश करती है, तब कोर्ट आरोपी के नाम समन जारी करता है। अगर समन के बावजूद आरोपी पेश न हो तब अदालत जमानती वारंट और फिर गैर जमानती वारंट जारी कर सकती है। अगर आरोपी पेश नहीं होता है, तब पुलिस जब्ती कुर्की की कार्रवाई करती है।

25 साल बाद सियासत में राजपरिवार की बेटी कांग्रेस के टिकट पर लड़ रही चुनाव

रायगढ़।(एजेंसी)

छत्तीसगढ़ के सारंगढ़ राजपरिवार के सदस्य लगभग 25 वर्षों तक चुनावी राजनीति से दूर रहने के बाद एक बार फिर रायगढ़ लोकसभा सीट से अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। सारंगढ़ में राजनीतिक रूप से प्रभावशाली गोंड राजपरिवार की सदस्य डॉक्टर मेनका देवी सिंह को कांग्रेस ने अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित रायगढ़ लोकसभा सीट से मैदान में उतारा है। वह भाजपा के नये चेहरे राधेश्याम राठिया से मुकाबला करेंगी। रायगढ़ छत्तीसगढ़ की उन सात सीटों में से एक है, जहां सात मई को मतदान होगा।

डॉक्टर मेनका देवी की दूसरी बहन कमला देवी 18 वर्षों तक विधायक रहीं और अविभाजित मध्य प्रदेश में पंद्रह वर्षों तक मंत्री रहीं। पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी 1998 में रायगढ़ सीट जीतने वाले आखिरी कांग्रेस उम्मीदवार थे। मेनका देवी की बेटी कुलिशा ने कहा, हालांकि हमने 25 वर्षों तक चुनाव नहीं लड़ा, लेकिन हम राजनीति और लोगों की सेवा से दूर नहीं थे।

हमारा परिवार इस दौरान क्षेत्र में लोगों की सेवा और विभिन्न रूपों में उनका सहयोग करता रहा। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, डॉक्टर मेनका देवी जी को टिकट मिला और वह चुनाव जीतेंगी।जशपुर के जूदेव का राजपरिवार जो भाजपा से जुड़ा रहा है, सत्ताधारी दल के लिए ही काम करेगा। हाल ही में भाजपा ने रायगढ़ से गोंड राजपरिवार के वंशज देवेंद्र प्रताप सिंह को राज्यसभा भेजा है, जो सत्ताधारी दल को लाभ दिला सकता है। रायगढ़ सीट पर कुल 13 उम्मीदवार मैदान में हैं लेकिन मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच है।

लोकसभा सीट का नाम रायगढ़ जिले से लिया गया है, जो राज्य में औद्योगिक और खनन केंद्र के रूप में प्रसिद्ध है। इस सीट में तीन जिले रायगढ़, जशपुर और सारंगढ़-बिलाईगढ़ (2022 में बनाया गया जिला) जिला शामिल हैं। पिछले साल के विधानसभा चुनाव में लोकसभा सीट के आठ विधानसभा क्षेत्रों में से भाजपा ने चार (रायगढ़, कुनकुरी, पत्थलगांव और जशपुर) और कांग्रेस ने भी चार (खरसिया, धरमजयगढ़, लैलूंगा और सारंगढ़) सीटों पर जीत हासिल की थी।

रायबरेली से राहुल गांधी और अमेठी से किशोरीलाल ने दाखिल किया नामांकन

- राहुल की नामांकन रैली में सोनिया गांधी, प्रियंका, खरगे रहे मौजूद

रायबरेली।(एजेंसी)

यूपी की अमेठी और रायबरेली सीट के लिए कांग्रेस ने अपने पत्ते खोल दिए हैं। कांग्रेस इन दोनों सीटों पर सस्पेंस बना रखा था लेकिन अब तस्वीर साफ हो गई है। राहुल गांधी ने शुक्रवार को रायबरेली लोकसभा सीट से अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान उनके साथ सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और अशोक गहलोत मौजूद थे। शुक्रवार सुबह कांग्रेस ने अमेठी और रायबरेली सीट से उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की, जिसके बाद राहुल गांधी रायबरेली पहुंचे। राहुल गांधी अपने परिवार के साथ शुक्रवार दोपहर रायबरेली पहुंचे और यहां से पार्टी के कार्यालय पहुंचे। जहां कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ मौजूद थी। भीड़ के कारण कई बार कोशिश करने के बाद भी वह गाड़ी से नहीं उतर पाए और नामांकन के लिए रवाना हो गए। बताया जा रहा है कि भीड़ को संभालने के लिए जिला प्रशासन की ओर से पुख्ता इंतेजाम भी नहीं किए गए थे।

रायबरेली सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार को लेकर काफी दिनों से सस्पेंस बना हुआ था। अब रायबरेली से राहुल गांधी चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने रायबरेली से आज अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। रायबरेली राहुल गांधी की मां सोनिया गांधी का निर्वाचन क्षेत्र था। वहीं कांग्रेस ने शुक्रवार को गांधी परिवार के करीबी किशोरी लाल शर्मा को अमेठी लोकसभा सीट से मैदान में उतारा गया है। शर्मा गांधी परिवार की अनुपस्थिति में अमेठी और रायबरेली निर्वाचन क्षेत्रों की देखभाल कर चुके हैं। सात चरण में हो रहे लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में 20 मई को जिन सीटों पर मतदान होना है उनके लिए नामांकन दाखिल करने की आज आखिरी दिन है। वहीं अमेठी से कांग्रेस उम्मीदवार किशोरी लाल शर्मा ने प्रियंका गांधी की मौजूदगी में नामांकन दाखिल किया। बता दें कि पहले यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि प्रियंका गांधी अमेठी से

चुनाव लड़ सकती हैं. लेकिन लिस्ट जारी होने के बाद सारी अटकलों पर विराम लग गया। रायबरेली और अमेठी सीटों पर 20 मई को वोटिंग होगी। चुनाव परिणाम चार जून को आएंगे।

संपादकीय

कनाडा में कमी

कनाडा सरकार की नीतियों की साफ शब्दों में निंदा होनी चाहिए और भारत सरकार ने सोमवार को कनाडा के उप-उच्चायुक्त को बुलाकर ऐसा ही किया था। अब बुधवार को कनाडा के प्रधानमंत्री का एक ऐसा साक्षात्कार प्रकाशित हुआ है, जिससे दोनों देशों के संबंधों में कटुता बढ़ने के कारक साफ नजर आ रहे हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो अपनी स्थानीय सियासत को तात्कालिक रूप से मजबूत रखने के लिए खालिस्तान के समर्थन में खड़े हो गए हैं। खालिस्तान का विचार कतई नया नहीं है, पर उसकी अव्यावहारिकता अनेक बार उजागर हो चुकी है। स्वयं सिख समुदाय में बहुमत इस विचार से सहमत नहीं है और परदेश में जा बसे, वहां की नागरिकता ले चुके चंद अलगाववादियों को संतुष्ट रखने के लिए ट्रूडो ने जो बयान दिए हैं, वे सोचने पर मजबूर करते हैं। एक संभावना यह है कि कनाडा की स्थानीय राजनीति की मजबूरी समझने हुए वहां के प्रधानमंत्री की बात को गंभीरता से न लिया जाए, पर क्या इससे चंद अलगाववादियों के मानसिक दुराग्रह का समाधान हो जाएगा? अव्वल तो कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो ऐसे किसी अलगाववादी कार्यक्रम में गए ही क्यों थे, जहां भारत विरोधी नारे लग रहे थे? क्या भारत में धर्मों की पृष्ठभूमि या इतिहास का उन्होंने अध्ययन किया है? कनाडा सरकार के सलाहकारों के ज्ञान पर तरस आता है। ये कैसे लोग हैं, जो आज की दुनिया में भी धार्मिक आधार पर भूगोल बदलने की कल्पना कर पा रहे हैं? ये कैसे देश हैं, जिनका मजहबी विभाजनों से अभी भी जी नहीं भरा है? एक अलगाववादी आतंकी निज्जर की हत्या का ट्रूडो के लिए इतना बड़ा मामला है कि वह भारत के साथ संबंधों में इसे एक समस्या मान रहे हैं। आज आतंकवाद और अलगाववाद के खिलाफ खड़े होने की जरूरत है, पर कनाडा जहां खड़ा है, वह जमीन नीचे से खोखली है। शायद सियासी भावुकता में ट्रूडो ने यहां तक कह दिया कि खालिस्तान का समर्थन यदि शांतिपूर्ण ढंग से किया जाता है, तो ओटावा द्वारा रोका नहीं जाएगा। कनाडा के नेता को बिल्कुल अंदाजा नहीं है कि अलगाववाद और मजहबी हिंसा की कितनी भारी कीमत अनेक बार भारतवर्ष की माटी ने चुकाई है। क्या ट्रूडो ने उस पंजाब की ओर एक नजर भी देखा है, जो आज पाकिस्तान के हिस्से में है? जहां गुरु नानकदेव जी का जन्म हुआ था, क्या उस धरती के बारे में कोई वाकई चिंतित है? पहली नजर में यही लगता है कि कनाडा की वर्तमान सरकार अलगावादियों के बहकावे में आ गई है। आज के समय में दुनिया की किसी भी सरकार को सांप्रदायिकता के आधार पर नहीं सोचना चाहिए। पंजाब ही नहीं, कश्मीर में भी अलगाववादियों का समर्थन करते हुए पाकिस्तान किस स्थिति तक पहुंच गया है, यह जरूर देखना चाहिए। हिंसक तत्वों की घातक सियासत को समझदार लोग लोकतांत्रिक रूप से ठिकाने लगाएं, तो ज्यादा बेहतर है। लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर हिंसा व अलगाववाद को बढ़ावा देने के नतीजे हमेशा घातक ही सिद्ध हुए हैं। भारतीय राजनय के लिए यह जरूरी है कि वह कनाडा ही नहीं, कुछ अन्य देशों में भी फैल रहे भारत विरोध के पटाक्षेप के लिए योजनाबद्ध ढंग से काम करे। भारत अपने बंटवारे और अलगाववाद से आगे लोकतांत्रिक उदारता की ओर बढ़ चुका है, अब उसके लिए विविधता में एकता ही जीत का एकमात्र फॉर्मूला है।

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

हिन्दू विवाह पर सर्वोच्च अदालत का स्वागतयोग्य फैसला

(लेखक - ललित गर्ग)

देश की सर्वोच्च अदालत ने हिन्दू विवाह को लेकर बड़ा फैसला देकर न केवल हिन्दू विवाह के संस्कारों एवं पारंपरिक रिवाजों को पुष्ट किया है बल्कि उन्हें कानूनी दृष्टि से आवश्यक स्वीकार किया है। आज जबकि हिन्दू विवाह की पवित्रता एवं परम्परा तथाकथित आधुनिक जीवन एवं प्रभाव के कारण धुंधली होती जा रही है, पाश्चात्य संस्कृति की आंधी में हिन्दू विवाह की पवित्रता समाज में समय के साथ घटी है और उसमें सुधार एवं सुदृढ़ता की जरूरत है। जो लोग विवाह को मात्र एक पंजीकरण मानते हैं, उन्हें चेत जाना चाहिए। उन्हें सात फेरों का अर्थ समझना होगा। बिना सात फेरों, हिन्दू रीति-रिवाजों एवं वैवाहिक आयोजनों के कोर्ट की दृष्टि में भी विवाह मान्य नहीं होगा। हिंदू विवाह पर कोर्ट का ताजा फैसला न केवल स्वागतयोग्य है बल्कि इसके दूरगामी परिणाम सुखद होंगे। इससे हिन्दू संस्कृति एवं संस्कारों को बल मिलेगा। पारिवारिक-संस्था को मजबूती मिलेगी। हिंदू विवाह से जुड़ा यह फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि शादी 'गाने और डांस', 'शराब पीने और खाने' का आयोजन या अनुचित दबाव डालकर दहेज और गिफ्ट्स की मांग करने का मौका नहीं है। विवाह कमर्शियल ट्रांजैक्शन नहीं है। यह एक गंभीर बुनियादी सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयोजन है, जिसे एक पुरुष और एक महिला के बीच संबंध बनाने के लिए मनाया जाता है, जो भविष्य में एक अच्छे परिवार के लिए पति और पत्नी का दर्जा प्राप्त करते हैं। यह भारतीय हिन्दू समाज-व्यवस्था की एक बुनियादी इकाई एवं मजबूत सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयाम है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि बिना सात फेरों के हिन्दू विवाह को मान्यता नहीं मिल सकती है अर्थात शादी के लिए हिन्दू विवाह अधिनियम में जो नियम और प्रावधान बनाए गए हैं उसका पालन करना होगा। इस तरह कोर्ट ने अपने फैसले में हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के तहत हिंदू विवाह की कानूनी आवश्यकताओं और पवित्रता को स्पष्ट किया है। अधिनियम के अनुसार, एक हिंदू विवाह किसी भी पक्ष के पारंपरिक संस्कारों और समारोहों के अनुसार संपन्न किया जाएगा। समारोहों में सप्तपदी (दूल्हा और दुल्हन द्वारा पवित्र अग्नि के चारों ओर संयुक्त रूप से सात कदम उठाना) शामिल है, और जब वे सातवां चरण एक साथ लेते हैं तो विवाह पूर्ण और बाध्यकारी हो जाता है। कुल मिलाकर हिन्दू विवाह एक संस्था है, संस्कार है और विवाह कोई व्यावसायिक लेन-देन नहीं है।

कोर्ट ने जोर दिया है कि हिंदू विवाह की वैधता के लिए सप्तपदी (पवित्र अग्नि के चारों ओर सात फेरे) जैसे उचित संस्कार और उससे जुड़े समारोह जरूरी है। विवाद की स्थिति में समारोह के प्रमाण पेश करना जरूरी है। कोर्ट की सात फेरों और उससे जुड़े समारोह का मूल्य समझाने की यह कोशिश हिन्दू विवाह को न केवल मजबूती प्रदान करेंगी बल्कि आधुनिकता की आंधी में धुंधलाते मूल्यों को नियंत्रित करने का काम करेगी। इसमें कोई शक नहीं कि विवाह संस्कार का मूल महत्व पहले की तुलना में कम हुआ है, अब विवाह बहुतों के लिए एक दिखावा, मजबूरी या समझौता भर रह गया है। न्यायमूर्ति बी नागरत्ना ने अपने प्रासंगिक एवं उपयोगी फैसले में बिल्कुल सही कहा है कि हिंदू विवाह एक संस्कार है, जिसे भारतीय समाज में एक महान मूल्य की संस्था के रूप में दर्जा दिया जाना चाहिए। पारंपरिक संस्कारों या सात फेरों जैसी रीतियों के बिना हुए विवाह को हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 7 के अनुसार हिंदू विवाह नहीं माना जाएगा। इस वजह से कोर्ट ने युवा पुरुषों और महिलाओं से आग्रह किया हैं कि वो विवाह की संस्था में प्रवेश करने से पहले इसके बारे में गहराई से सोचें और भारतीय समाज में उक्त संस्था कितनी पवित्र है, इस पर विचार करें। प्रश्न है कि हिन्दू विवाह को लेकर कोर्ट को जागरूक होने एवं हिन्दू संस्कारों को मजबूती देने की जरूरत क्यों पड़ी? हिन्दू विवाह से जुड़े संस्कारों एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों को लेकर अनेक मामले कोर्ट की चौखट पर आते रहे हैं, हर बार कोर्ट सजगता, दूरदर्शिता एवं विवेक से विवाह-संस्था से जुड़े मामलों पर अपना नजरिया प्रस्तुत करती रही है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने पिछले दिनों यह माना कि हिंदू विवाह अधिनियम के अनुसार, हिंदू विवाह को संपन्न करने के लिए कन्यादान का समारोह जरूरी नहीं है। उस फैसले में भी सप्तपदी के महत्व को दर्शाया गया था। मध्यप्रदेश की एक परिवार अदालत के फैसले में महिला पक्ष को यह समझाया गया था कि सिंदूर लगाना एक विवाहित हिंदू महिला का धार्मिक कर्तव्य होता है। सर्वोच्च न्यायालय के ताजा फैसले में ऐसी ही समझाइश की कोशिश झलकती है। कुल मिलाकर, न्यायालय का संदेश यह है कि फिजूल के तमाशे-दिखावे से बचते हुए विवाह के मूल अर्थ को समझना चाहिए। हिंदू विवाह को लेकर अब ज्यादा स्पष्टता की जरूरत है और विशेषतः हिन्दू संस्कारों एवं संस्कृति को बल देने की भी। क्योंकि भारत में परिवार संस्था कायम है तो इसका कारण हिन्दू संस्कार एवं परम्पराएं ही हैं। इस तरह कोर्ट ने अपने फैसले में हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के तहत हिंदू विवाह की कानूनी आवश्यकताओं और पवित्रता को स्पष्ट किया है। हिन्दू विवाह एक आदर्श परम्परा एवं संस्कार है। हिंदू धर्म में विवाह को सोलह संस्कारों में से एक संस्कार माना गया है। विवाह = वि .वाह, अतः इसका शाब्दिक अर्थ है - विशेष रूप से उत्तरदायित्व का वहन करना। पाणिग्रहण संस्कार को सामान्य रूप से हिंदू विवाह के नाम से जाना जाता है। अन्य धर्मों में विवाह पति और पत्नी के बीच एक प्रकार का करार होता है जिसे विशेष परिस्थितियों में तोड़ा भी जा सकता है परंतु हिंदू विवाह पति और पत्नी क बीच जन्म-जन्मांतरों का सम्बंध होता है जिसे किसी भी परिस्थिति में नहीं तोड़ा जा सकता। अग्नि के सात फेरे लेकर और ध्रुव तारा को साक्षी मान कर दो तन, मन तथा आत्मा एक पवित्र बंधन में बंध जाते हैं। यह दो परिवारों का भी मिलन है। हिंदू विवाह में पति और पत्नी के बीच शारीरिक सम्बंध से अधिक आत्मिक सम्बंध होता है और इस सम्बंध को अत्यंत पवित्र माना गया है।

हिन्दू विवाह का न केवल पारिवारिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व है, बल्कि उसका गहन आध्यात्मिक महत्व भी है। हिंदू धर्म ने चार पुरुषार्थ (जीवन की चार बुनियादी खोज), यानी धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष निर्धारित किया है। विवाह संस्कार का उद्देश्य 'काम' के पुरुषार्थ को पूरा करना और फिर धीरे-धीरे 'मोक्ष' की ओर बढ़ना है। एक पुरुष और महिला के जीवन में कई महत्वपूर्ण चीजें शादी से जुड़ी होती हैं; उदाहरण के लिए, पुरुष और महिला के बीच प्यार, उनका रिश्ता, संतान, उनके माता-पिता, उनके जीवन में विभिन्न सुखद घटनाएं, सामाजिक स्थिति और समृद्धि। हिंदू समाज में एक विवाहित महिला को अत्यंत सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। उसके माथे पर कुमकुम-सिन्दूर के साथ एक महिला की दृष्टि, उसके गले में एक मंगलसूत्र पहने हुए, हरी चूड़ियाँ, पैर के अंगूठे के छल्ले और छह या नौ-यार्ड साड़ी स्वचालित रूप से एक पर्यवेक्षक के मन में उसके लिए सम्मान उत्पन्न करता है। हिंदू विवाह के सात वचनों में से, कम से कम तीन ऐसे हैं, जहां जोडे अपने बुजुर्गों की देखभाल करने का वादा करते हैं। पांचवां वचन अपनी संतान पैदा करने और उसकी देखभाल करने का है।

हाल के वर्षों में, भारत में हिन्दू विवाह परम्परा एवं संस्कृति से अनेक विसंगतियां एवं विकृतियां जुड़ गयी है, डेटिंग संस्कृति की शुरुआत के साथ, लव-मेरिज का प्रचलन बढ़ा है। संभावित दूल्हा और दुल्हन अपने दम पर जीवनसाथी चुनना पसंद करते हैं। आज के रोमांटिक-रिश्ते वास्तव में विवाह नहीं हैं, बल्कि एक नई प्रथा है, जिसके विपरीत प्रभाव से परिवार-संस्था बिखरने लगी है। विवाह के साथ प्रीवेडिंग का प्रचलन भी अनेक विकृतियों का वाहक बना है, बड़े-बड़े भव्य आयोजन एवं होटल संस्कृति ने भी विवाह की पवित्रता को धुंधलाया है। आयोजनों में शराब एवं अन्य नशों का बड़ा प्रचलन भी दुर्घटनाओं का कारण बना है। जिनके कारण विवाह होने से पहले ही उसमें दरारें पड़ते हुए देखी गयी है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

लोकसभा चुनाव-2024 में ऑनलाइन सुविधाएं

(लेखक-संजय गोस्वामी)

चुनाव आयोग द्वारा तकनीक का इस्तेमाल वोटर के लिए किया गया है लेकिन भाषण और इधर उधर की बातें सुनने के कारण हम उनके अच्छे कार्यों को समझ नहीं पाते है चुनाव आयोग का सत्ता या विपक्ष से क़ोई लेना देना नहीं है वो हमेशा निष्पक्ष चुनाव के लिए ही कार्य करता है जिसे ना सिर्फ सही इलेक्शन कराने हेतु एक आयोग है बल्कि आचार सहिंता को सही तरह से लागू करने की भी जिम्मेदारी होती है यदि ऐसा ना होता तो हरसमय सरकार नहीं बदलती अतः जो जानकारी आपको साझा की जा रही है उससे आप समझ सकते हैं कि चुनाव आयोग निष्पक्ष आयोग है आज देश एवं प्रदेश में प्रभावित क्षेत्र में लोकसभा चुनाव-2024 में टेक्नोलॉजी का प्रभावी उपयोग होने लगा है। प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से मतदाता लोगों को वोट देने के लिए प्रेरित करने से लेकर चुनावी रण में राजनीतिक दलों से संबंधित योद्धा के चुनाव जानकारी देना आसान हो गया है. चुनाव आयोग द्वारा सभी तकनीकें अब एक प्रौद्योगिकी का प्रभावी उपयोग है क्लिक पर कई तरह की जानकारी हासिल किया जा सकता है। चुनाव के दौरान अधिक से अधिक प्रौद्योगिकी कार्यान्वयन निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया की दिशा में एक कदम है। यह एक बड़ा कदम है. सी-विजिल, सुविधा पोर्टल, डिवाइस सॉफ्टवेयर आदि। ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे चुनाव कार्य आसान हो गया है। हुए हैं। आम मतदाताओं से चुनाव ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी, अधिकारी चुनाव आयोग द्वारा प्रदान किया जाना है ये ऑनलाइन सुविधाएं क्या हैं? टूल्स का उपयोग करके आप अपना काम आसानी से और किसी भी तरह से कर सकते हैं चुनाव संबंधी कार्यक्रमों में किसी भी मामले में टेक्नोलॉजी से आम मतदाता तक सीधी पहुँच गया। ऑन- लाइन सुविधा पोर्टल कोई राजनीतिक दल या राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि चुनाव संबंधी कार्यक्रमों की जानकारी किसी भी प्रकार का कार्य आदेश यह अनुमति सीधे अपने घर पर दें, ऑनलाइन सुविधा पोर्टल का उपयोग कर कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। इसका असर किसी भी राजनीतिक दल पर पड़ेगा या चुनाव संबंधी किसी भी मामले में उसका प्रतिनिधि किसी भी प्रकार की अनुमति प्राप्त करने के लिए निर्वाचन विभाग कार्यालय में जाएं। इधर- उधर भटकने से मुक्ति मिल गई। घर बैठे ऑनलाइन आवेदन करें चुनावी जनसभा जैसे कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति मिल सकती है. जिसके लिए चुनाव अधिकारी विभिन्न राजनीतिक दलों के क्षेत्र प्रतिनिधियों को भी जागरूक किया जाए ताकि तकनीक का अधिक उपयोग किया जा सके अधिक उपयोग किया जा सकता है. प्रौद्योगिकी आधारित ऑनलाइन डाइस और वेब सॉफ्टवेयर भी उपलब्ध हैं तैयारियों को समय से पूरा करने में अहम भूमिका निभा रहा है. सभी डीडीए यानी निकासी और यह संवितरण अधिकारियों के लिए है यह पासा उपयोगी साबित हो रहा है वे वेब सॉफ्टवेयर का उपयोग कर रहे हैं सभी डीडीए के लिए समय अवधि निर्धारित मैं अपने संबंधित विभाग में कार्यरत हूं. कर्मचारियों और अधिकारियों का डेटा इस वेब सॉफ्टवेयर में प्रविष्टि अपलोड की गई है करना ही है। जिसका उपयोग चुनाव में किया जाएगा विभाग की ओर से मतदान की प्रक्रिया पूरी की गयी इसे पूरा करने के लिए कर्मचारियों की तैनाती की जा रही है के लिए किया जाना है. के साथ वोट करें प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से पूरा कर विभिन्न मतदान केंद्रों पर कर्मचारियों की तैनाती की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। मैं यहां हूं। विभिन्न विभाग कौन से हैं? इस वेब सॉफ्टवेयर में डेटा दर्ज करते समय विभागाध्यक्षों को यह करना होगा कर्मचारी की सेवानिवृत्ति, विकलांगता एवं अन्य विभिन्न कारणों से चुनाव ड्यूटी छूट प्राप्त श्रमिकों का चिन्हीकरण इसे सही तरीके से किया जाना चाहिए ताकि ऐसे किसी कर्मचारी की चुनाव ड्यूटी चुनाव संबंधी ड्यूटी जो लगाई जा सकती हैं चुनावी प्रक्रिया देने में सक्षम नहीं है पूरा करने में सभी को मतदान करना है चुनाव के दौरान पोलिंग पार्टियों की भी टेंशन बढ़ जाती है. विभाग के आदेश पासा और वेब सॉफ्टवेयर के माध्यम से ही किया जाएगा है। इन चुनावों में सी- विजिल ऐप भी यह वरदान साबित हो रहा है. इस ऐप पर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन प्रत्यक्ष चुनाव के संबंध में शिकायतें आया सेक्स से किया जा सकता है. शिकायत पर चुनाव आयोग ने कार्रवाई की आगामी कार्रवाई को भी ट्रैक किया जाता है जा सकता है।

चुनाव आयोग की ओर सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों से इस माध्यम से भारत एवं प्रदेश के प्रत्येक जिले में सी- विजिल ऐप के बारे में आम जनता जागरूक होगी। के बारे में जागरूकता से संबंधित अभियान बड़े पैमाने पर चलाए जा रहे हैं जिससे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन हो रहा है सभी शिकायतें कम करें होना। सी- विजिल एप पर आदर्श आचरण संहिता उल्लंघन की शिकायतें प्राप्त करें वहां भी जा चुके हैं. अब तक देश भर से इस ऐप पर जो शिकायतें आई हैं. जिनका चुनाव जनता के कहने पर हुआ 1 से 2 घंटे के अंदर जांचें हो गया है. वर्तमान समय निर्वाचन विभाग में मेरा कोई नहीं है शिकायत लंबित नहीं है. निर्वाचन विभाग के आँकड़ों के मुताबिक़ अधिकांश आचरण संहिता उल्लंघन शिकायतें वाहनों पर चिपकाने की आई हैं। इस ऐप के जरिए भी व्यक्ति शिकायत कर सकता है. इसमें शिकायतकर्ता की पहचान पूरी होती है इसे गुप्त रखने का भी प्रावधान है. शिकायतकर्ता का अपना शिकायत दर्ज करने से पहले आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन गतिविधियों के संबंध में आचार संहिता उल्लंघनकर्ता का एक फोटो या विवरण एक मिनट का वीडियो बनाकर उसके बारे में संक्षिप्त जानकारी देनी है. शिकायत लेकर आऐ व्यक्ति की जानकारी स्वचालित रूप से इसे कुछ ही मिनटों में संबंधित जिला नियंत्रण कक्ष को भेज दिया जाता है उड़नदस्ते की टीमें मौके पर भेजने कार्रवाई निष्पादित किया जाता है. सी-विजिल एप पर शिकायत होते ही शिकायतकर्ता को भेजा जाता है, एक यूनिक आईडी प्राप्त की जाती है, इसके माध्यम से शिकायतकर्ता शिकायत कर सकता है मोबाइल पर भी शिकायत को ट्रैक कर सकते है इस ऐप की खासियत यह है कि इसे एक साथ काम करने वाले लोग भी इस्तेमाल कर सकते हैं। चुनाव आयोग तीन पक्ष टोर सी- विजिलएप को सफल बना रहे हैं। शिकायतों पर समय पर प्रतिक्रिया के लिए 100 मिनट जैसे ही उपयोगकर्ता वास्तविक समय में ऑडियो, वीडियो या डेटा कैप्चर करता है, गणना शुरू हो जाती है।

विचार मंथन

लोकसभा और विधानसभा का चुनाव लड़ना,

(लेखक- सनत जैन)

संसद के अंदर साल दर साल करोड़पति सांसदों की संख्या बढ़ती चली जा रही है। चुनाव खर्च भी चुनाव आयोग बढाता जा रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में चुनाव आयोग ने अधिकतम खर्च की सीमा 95 लाख तय कर दी है। जिस तरह से लोकसभा और विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं। लोकसभा और विधानसभा का चुनाव लड़ना, मध्यम एवं निम्न वर्गीय ईमानदार व्यक्ति के लिये चुनाव लड़ने की बात सपने में भी नहीं सोच सकता है। लोकसभा में 2004 में 156 सांसद करोड़पति और अरबपति थे। 2009 में यह संख्या बढ़कर 315 हो गई है। 2014 में संख्या बढ़कर 443 हो गई। रही सही कसर 2019 के लोकसभा चुनाव में करोड़पतियों और अरबपति सांसदों की संख्या बढ़कर 475 हो गई। 2024 के लोकसभा चुनाव चल रहे हैं। इसमें भी अरबपति और करोड़पति उम्मीदवार बड़ी संख्या में सांसद का चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव आयोग द्वारा खर्च की अधिकतम सीमा प्रत्येक उम्मीदवार के लिए 95 लाख तय की गई है। राजनीतिक दल अपने उम्मीदवार के चुनाव खर्च के लिए अलग से खर्च करते हैं। राजनीतिक दलों द्वारा जिस तरह से पूंजीपतियों को टिकट दी जा रही है। राजनीतिक दलों में सामान्य कार्यकर्ता और नेता हैं, उसे राजनीतिक दलों की टिकट नहीं मिलती है। टिकट लेने के लिये पार्टी फंड में दान करने और स्वयं चुनाव खर्च उठाने वाले उम्मीदवारों को पंजीकृत राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक पार्टियों द्वारा टिकट दी जाती है। सांसद और विधानसभा के अंदर मध्य और निम्न वर्ग की आवाज उठाने वाला सांसद अथवा विधायक निर्वाचित होकर सदन में नहीं पहुंच रहे है। कुछ इसी तरीके की स्थिति जिला पंचायत, जनपद पंचायत और पार्षद के चुनाव में भी देखने को मिलने लगी है। पंचायत के चुनाव में भी लाखों और करोड़ों रुपए के खर्च होने की बात सामने आती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव लगातार महंगे होते चले जा रहे हैं। चुनाव में जब उम्मीदवार लाखों और करोड़ों रुपए खर्च करते हैं। चुनाव जीतने के बाद फिर वह धंधे तरह खर्च की भरपाई करने के लिए हर संभव कोशिश करते हैं। जिसके कारण जनसेवा भी एक धंधा बन गया है। जिसके फल स्वरुप चुनाव से धीरे-धीरे मध्य और निम्न वर्ग के लोग बाहर होते चले जा रहे हैं। संसद और विधानसभा जहां कानून बनते हैं। वहां केवल करोड़पति और अरबपतियों की संख्या बहुतायत में होने के कारण, निम्न एवं मध्यम वर्ग प्रतिनिधित्व अब सांसद और विधानसभा में करने वाला भी कोई नहीं रहा। पिछले 20 साल में यह स्थिति तेजी के साथ बदली है। पिछले 10 साल में संसद में 204 फ़ीसदी की दर से करोड़पति और अरबपति सांसदों की संख्या बढी है। 2019 के लोकसभा चुनाव की बात करें, तो कुल 21 फ़ीसदी सांसद ऐसे थे जिनकी संपत्ति एक करोड रुपए से कम थी यदि आरक्षण की व्यवस्था लागू नहीं होती, तो इनका भी चुना जाना संभव नहीं होता।

राजनीतिक दल एसटी और एससी वर्ग के जो उम्मीदवार खड़ा करते हैं। उनके लिए पार्टी फंड से उन्हें चुनाव लड़ाया जाता है। ऐसी स्थिति में वह पार्टी में बंधक के रूप में रहते हैं। वह अपनी बात मुखर होकर पार्टी के अंदर भी नहीं कह पाते हैं। विधानसभा और लोकसभा में विहिप में बंधे होने के कारण उनकी अपनी अलग से कोई आवाज नहीं होती है। भारतीय लोकतंत्र के लिए यह सबसे बड़ी चिंता का है। 542 सांसदों में से यदि 475 सांसद करोड़पति और अरबपति हैं। शेष 21फीसदी सांसद आरक्षित वर्ग से आते हैं।

जसके कारण लोकसभा और विधानसभा में सभी वर्गों को समान प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाता है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है, लोकतंत्र के अंगने में गरीबों का क्या काम है।

हीरो ने अप्रैल में बेचे 5.33 लाख वाहन

मुंबई । हीरो मोटोकॉर्प ने कहा है कि उन्होंने अप्रैल 2024 में 5,33,585 से अधिक यूनिट बेचकर नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत की है। यह अप्रैल 2023 की तुलना में 34.7 प्रतिशत की वृद्धि को दिखाता है, जब निर्माता ने 3.96 लाख यूनिट बेचे थे और मार्च 2024 की बिक्री के 9 प्रतिशत की क्रमिक वृद्धि दर्ज की गई थी, जो 4,90,415 यूनिट थी। देशी दोपहिया निर्माता की मोटरसाइकिलों की बिक्री अप्रैल 2024 में 4,96,542 यूनिट और अप्रैल 2023 में 3,68,830 यूनिट रही। स्कूटरों की बिक्री अप्रैल 2024 में 37,043 यूनिट और अप्रैल 2023 में 27,277 यूनिट रही। कुल घरेलू बिक्री अप्रैल 2024 और अप्रैल 2023 के लिए क्रमशः 5,13,296 यूनिट और 3,86,184 यूनिट थी।

एप्पल करेगा बड़ा बायबेक, फिर खरीदेगा 10 अरब डॉलर के शेयर

नई दिल्ली । विनिर्माता कंपनी एप्पल के स्टॉक में शानदार तेजी देखने को मिली है। दरअसल, कंपनी ने 10 बिलियन डॉलर के शेयर को बॉयबैक करने की घोषणा की। कंपनी के इस ऐलान के बाद निवेशक कंपनी के शेयर खरीदने में जुट गई। माना जा रहा है कि यूएस के इतिहास में पहली बार कोई कंपनी ने इतने ज्यादा स्टॉक को वापस खरीद रही है। एम-कैप के हिसाब से एप्पल दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी मानी जाती है। वर्ष 2018 में कंपनी ने 100 बिलियन डॉलर के शेयर को खरीदा था। अब कंपनी ने अपने पिछले रिकॉर्ड को पार करने वाली है। अगर अमेरिकी के इतिहास में टॉप-10 शेयर के बायबैक को देखा जाए तो उसमं से 6 एप्पल और 3 गूगल है।कंपनी ने शेयर बायबैक के साथ 25 सेंट के डिविडेंड का भी ऐलान किया है। कंपनी के सीईओ टिम कुक ने बताया कि एप्पल को इस तिमाही भी मुनाफा हुआ है, जिसके बाद कंपनी ने शेयरहोल्डर्स को लाभांश देने का फैसला लिया।

एचसीएलटेक और सिस्को की परवेसिव वायरलेस मोबिलिटी सेवा शुरू

नई दिल्ली । आईटी सेवा कंपनी एचसीएल टेक्नोलॉजीज और नेटवर्क दिग्गज सिस्को ने परवेसिव वायरलेस मोबिलिटी ऐज़-ए-सर्विस शुरू करने की घोषणा की है। यह विभिन्न उद्योगों के लिए सुरक्षित और निर्बाध उद्यम-व्यापी संपर्क स्थापित करेगी। खबर के अनुसार यह सेवा एचसीएलटेक की प्रबंधित नेटवर्क सेवा विशेषज्ञता को सिस्को की अल्ट्रा-रिलायबल वायरलेस बैकहॉल (यूआरडब्ल्यूबी) प्रौद्योगिकी के साथ जोड़ती है ताकि नेटवर्क का एक ऐसा बुनियादी ढांचा तैयार किया जा सके जो मजबूत संपर्क प्रदान करे। एचसीएलटेक और सिस्को ने व्यापक वायरलेस मोबिलिटी को सेवा के रूप में पेश किया है। यह विविध उद्योगों के लिए सुरक्षित और निर्बाध उद्यम-व्यापी संपर्क स्थापित करेगी।

बजाज फाइनेंस के शेयरों में तेजी

नई दिल्ली । बजाज फाइनेंस के शेयर में शुक्रवार के कारोबारी सत्र में तेजी देखने को मिल रही है। सुबह शुरुआत में कंपनी के स्टॉक 6 फीसदी से ज्यादा चढ़कर 7,349.20 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया था। बजाज फाइनेंस के शेयर 4.91 फीसदी की उछाल के साथ 7,220.65 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहा था। शेयर में आई तेजी के बाद बजाज फाइनेंस का एम-कैप 445,689 करोड़ रुपये हो गया। नवबंर 2023 में आरबीआई ने बजाज फाइनेंस के ईकॉम और इंस्टा ईएमआई कार्ड के जरिये लोन की मंजूरी पर पाबंदी लगा दी थी। केंद्रीय बैंक ने डिजिटल लोन के प्रावधानों का पालन न करने की वजह से यह कदम उठाया था। रबीआई के इस फैसले से चौथी तिमाही में बजाज फाइनेंस के मुनाफे में 4 फीसदी की गिरावट आई। इसके अलावा कंपनी के शेयर भी 5 फीसदी तक फिसल गए।

डाबर इंडिया का कंसोलिडेटेड नेट मुनाफा 16.5 फीसदी बढ़ा

मुंबई ।

भारत की दिग्गज एफएमसीजी सेक्टर की कंपनी डाबर इंडिया ने वित्त वर्ष 24 की अंतिम तिमाही के लिए रिजल्ट्स जारी किए हैं। कंपनी ने गुरुवार को बताया कि मार्च तिमाही में उसका कंसोलिडेटेड नेट मुनाफा 16.5 फीसदी बढ़कर 341.22 करोड़ रुपये हो गया है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी ने 292.76 करोड़ रुपये का नेट मुनाफा दर्ज किया था। अगर पूरे वित्त वर्ष की बात करे तब वित्तीय साल 24 में कंपनी का नेट मुनाफा 1811.31 करोड़ रुपये रहा, जो कि पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 6.46 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की है। कंपनी ने वित्तीय साल 23 में 1701.33 करोड़ का नेट मुनाफा दर्ज किया था। डाबर इंडिया ने बताया कि चौथी तिमाही वित्तीय साल 24 में उसका टोटल रवेन्यू सालाना आधार पर 5.11 फीसदी बढ़कर 2,814.64 करोड़ हो गया। पिछले साल की समान तिमाही (चौथी तिमाही वित्तीय साल 23) में कंपनी ने 2,677.80 करोड़ रुपये का रेवेन्यू दर्ज किया था। वित्त वर्ष 24 में रोजाना यूज के सामान बनाने वाली दिग्गज कंपनी ने 12404.01 करोड़ रुपये का ऑपरेशन से रेवेन्यू दर्ज किया, जो वित्तीय साल 23 के 11529.89 करोड़ रुपये के मुकाबले 7.58 फीसदी ज्यादा है। 31 मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए कंपनी ने लाभांश (डिविडेंड) का भी ऐलान किया है। बोर्ड की तरफ से 1 रुपये की फेस वैल्यू पर 2.75 रुपये प्रति शेयर के डिविडेंड देने को मंजूरी दे दी है। अगर शेय,रहोल्डर्स की तरफ से मंजूरी मिल जाती है तो डिविडेंड की यह रकम निवेशकों के डीमैट

अकाउंट में क्रेडिट कर दी जाएगी। वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही के दौरान कंपनी ने 2943.40 करोड़ रुपये की कुल आय दर्ज की, जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 2798.52 करोड़ रुपये थी। इस लिहाज से कंपनी की कुल आय में भी 5.17 फीसदी का इजाफा हुआ है। इस तरह डाबर इंडिया के एबिटा मार्जिन में भी 1.30 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है। जनवरी-मार्च 2024 तिमाही में कंपनी का एबिटा मार्जिन 16.6 फीसदी दर्ज किया। वहीं, इसका एबिटा 14 फीसदी बढ़कर 467 करोड़ रुपये हो गया है।

दो हजार के 97.76 फीसदी नोट वापस आएः आरबीआई

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि बंद किए गए 2000 रुपये के 97.76 प्रतिशत नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गए हैं। केंद्रीय बैंक ने बताया कि सिर्फ 7,961 करोड़ रुपये के नोट अभी लोगों के पास हैं। आरबीआई ने बयान में कहा कि 19 मई, 2023 को 2000 रुपये के नोट को वापस लेने की घोषणा की गई थी। इस दिन के अंत में बाजार में मौजूद 2000 रुपये के नोटों का मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपये था। अब 30 अप्रैल, 2024 को बाजार में सिर्फ 7,961 करोड़ रुपये के नोट बाजार में हैं। बैंक ने कहा कि इस प्रकार, 2000 रुपये के 97.76 प्रतिशत नोट वापस आ चुके हैं। हालांकि, 2000 रुपये का नोट वैध है। लोग देशभर में आरबीआई के 19 कार्यालयों पर 2000 रुपये के नोट जमा कर सकते हैं या उन्हें अन्य नोट से बदल सकते हैं। जनता 2000 के नोट भारतीय डाक के माध्यम से भी आरबीआई के किसी भी कार्यालय में भेजकर उनके बराबर मूल्य की राशि अपने बैंक खातों में जमा करा सकती है। आरबीआई द्वारा नवंबर, 2016 में 1000 रुपये और 500 रुपये के नोट बंद करने के बाद 2000 रुपये के नोट जारी किए गए थे।

चावल-मसालों और डेयरी सहित अन्य उत्पादों की भी होगी जांच

नई दिल्ली । एमडीएच और एवरेस्ट मसालों के बाद खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने घरेलू बाजार में बेचे जाने वाले फोर्टिफाइड चावल, डेयरी उत्पादों व मसालों जैसे अन्य खाद्य पदार्थों की जांच शुरू करने की योजना बनाई है। फल व सब्जियों, मछली उत्पादों में साल्मोनेला जैसे खाद्य पदार्थों की भी निगरानी की जा सकती है। सूत्रों के मुताबिक, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) मसाला, जड़ी-बूटियां, दूध और दूध से बने उत्पादों को भी जांच के दायरे में लाएगा। सिंगापुर और हांगकांग की गुणवत्ता संबंधी चिंताओं को देखते हुए एफएसएसएआई पहले से ही एमडीएच और एवरेस्ट सहित सभी ब्रांडों के मसालों के नमूने ले रहा है। सभी मसालों के नमूने इसलिए लिए जा रहे हैं, ताकि यह जांचा जा सके कि वे एफएसएसएआई मानदंडों को पूरा करते हैं या नहीं। पिछले हफ्ते एफएसएसएआई ने कहा था कि वह नेस्ले के सेरेलैक के नमूने एकत्र करने की प्रक्रिया में है। दावा है कि कंपनी उत्पाद में ज्यादा चीनी का उपयोग कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में विश्लेषण किए गए नमूनों की संख्या 2020-21 में 1,07,829 से बढ़कर 2023-24 में 4,51,000 से अधिक हो गई है। इस आधार पर तीन गुना ज्यादा नमून लिए गए हैं। 2020-21 में 1,07,829 नमूने लिए गए। 2021-22 में 1,44,345 नमूनों का विश्लेषण किया गया। 2022-23 में 1,77,511 नमूनों का विश्लेषण किया गया। पिछले वित्त वर्ष में 4,51,296 नमूने लिए गए।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 733 अंक , निफ्टी 172 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों से बाजार की तेज शुरुआत हुई पर कुछ समय बाद ही दिग्गज कंपनियों के शेयरों में बिकवाली हावी होने से बाजार नीचे आने लगा। इसके बाद ये सिलसिल बाजार बंद होने तक चला। आज कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और लार्सन एंड टुब्रो के शेयरों में जमकर बिकवाली हुई। आज इंट्रा-डे कारोबार के दौरान बीएसई सेंसेक्स 1,143 अंक नीचे आकर 73,468 के निचले स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी-50 22,350 अंक से नीचे आ गया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 732.96 अंक करीब 0.98 फीसदी टूटकर 73,878.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 73,467.73 और 75,095.18 के बीच कारोबार हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 172.35 अंक तकरीबन 0.76 फीसदी नीचे आया। निफ्टी दिन के अंत में 22,475.85 अंक पर बंद हुआ। इसमें आज 22,348.05 और 22,794.70 के बीच कारोबार हुआ। दिग्गज कंपनियों में बिकवाली के दबाव में इक्विटी बेंचमार्क सूचकांकों में भी भारी गिरावट आई। वहीं शुरुआती कारोबार में बेंचमार्क इंडेक्स रिकॉर्ड हाई पर थे। यह दूसरी बार है जब निफ्टी 22,700 के स्तर को पार करने के बाद तेजी से नीचे आया है। ऐसे में बाजार जानकारों का मानना है कि निफ्टी आने वाले समय में सीमित दायरे में कारोबार करेगा। विदेशी संस्थागत निवेशकों के शेयर बेचने से भी बाजार पर दबाव आया। मार्च में ठहराव के बाद, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने अप्रैल में घरेलू इक्विटी से 6,300 करोड़ रुपये निकाले। मई के पहले कारोबारी सत्र में भी निवेशकों ने 964 करोड़ रुपये के शुद्ध शेयर बेचे। वहीं गत दिवस बाजार मामूली बढ़त पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे रुझानों की वजह से बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। बीएसई सेंसेक्स 400 अंक बढ़कर 75,070 पर और एनएसई निफ्टी 50 135 अंक गिरकर 22,783 पर पहुंच गया। बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, एमएंडएम, रिलायंस,

आईसीआईसीआई बैंक, एनटीपीसी, आरआईएल ने सेंसेक्स पर बढ़त हासिल की, जबकि पॉवेग्रिड, भारती एयरटेल और टेक महिंद्रा लाल निशान में कारोबार करते दिखे। दूसरी ओर, एनएसई निफ्टी 50 पर ओएनजीसी, बीपीसीएल और बजाज ऑटो टॉप गेनर्स रहे, जबकि कोल इंडिया और हेरोमोटोकॉर्प आज के टॉप लूजर्स रहे। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में क्रमशः 0.54 और 0.29 फीसदी की बढ़त के साथ व्यापक बाजार मजबूत खुले। निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी बैंक और निफ्टी मेटल एनएसई पर सेक्टोरल बढ़त का नेतृत्व करते दिखे।

भारत के साथ व्यापार करना चाहते हैं अफगानिस्तान, कजाकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान

-पाकिस्तान के रास्ते नहीं, नया ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर बनाएंगे

काबुल।

अफगानिस्तान ने दो मध्य एशियाई देशों कजाकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान के साथ पिछले हफ्ते एक त्रिपक्षीय बैठक आयोजित की। इस बैठक का मुख्य मुद्दा भारत के साथ व्यापार करने के लिए नए परिवहन गलियारे पर बातचीत करना था। बैठक में तुर्कमेनिस्तान और कजाकिस्तान के प्रतिनिधियों ने अफगानिस्तान में पारगमन और परिवहन बुनियादी ढांचे को बढ़ाने पर सहमति जताई है। बैठक में कजाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री सेरिक झुमंगारिन आगामी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट इनिशिएटिव पर प्रकाश डालते हुए ट्रैफिक फ्लो की गणना और पुर्नसंरचना की जरुरतों पर बल दिया। तीन पक्षों ने यह भी विचार कि वह भारत से व्यापार करना चाहते है।

ईरान के चाबहार बंदरगाह के जरिए ये संभव हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह सब तुर्कमेनिस्तान के बुनियादी ढांचे और बेइनु-अक्टौ-बोलाशाक में हमारे बुनियादी ढांचे को विकसित करने में मदद करेगा। तीनों देशों ने यह माना कि अंतरराष्ट्रीय उत्तर दक्षिण परिवहन गलियारे की पूर्वी शाखा ने रूस और बेलारूस से कजाकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान के जरिए से अफगानिस्तान, भारत और पश्चिम एशिया तक माल पहुंचाने के लिए एक मार्ग बनने के लिए नई प्रेरणा मिली है। वे आपस में पहले से सहमत समझौतों को लागू करने के लिए एक कार्य समूह स्थापित करने पर सहमत हुए।

कजाकिस्तान-तुर्कमेनिस्तान मार्ग आईएनएसटीसी की शाखाओं में से एक है। अफगानिस्तान, कजाकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान को भारत के साथ सड़के के रास्ते व्यापार करने के लिए पाकिस्तान की जरूरत है। पाकिस्तान ने हमेशा से अपनी जमीन से होने वाले व्यापार को बाधित करने का प्रयास किया है। इसका ताजा उदाहरण 2022 की शुरुआत में भारत से अफगानिस्तान को भेजे गए खाद्यानों के दौरान देखने को मिला था। लेकिन, अब ईरान के चाबहार बंदरगाह वाला रास्ता खुलने से मध्य एशियाई देशों को पाकिस्तान के रास्ते जाने की कोई जरूरत नहीं होती।

बिड़ला एस्टेट्स ने मुंबई में 72 फ्लैट बेचकर 2,500 करोड़ कमाए

मुंबई । आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी बिड़ला एस्टेट्स ने कहा कि उसने मुंबई स्थित अपनी लक्जरी आवासीय परियोजना में 72 फ्लैटों की बिक्री कर 2,500 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया है। कंपनी ने कहा कि ये फ्लैट आवासीय टावर सिलास में मौजूद हैं जो कि मध्य मुंबई में स्थित लक्जरी आवासीय परियोजना बिड़ला निगारा का हिस्सा है। सूत्रों के मुताबिक, इस टावर में कुल 148 फ्लैट हैं जिनमें से 72 अपार्टमेंट की बिक्री हो चुकी है। एक अपार्टमेंट की कीमत 30-45 करोड़ रुपये के बीच रही है। कंपनी के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि बिड़ला निगारा का सिलास टावर मुंबई में लक्जरी आवासीय क्षेत्र में नए मानक तय करेगा।

गोदरेज परिवार में कारोबार बंटवारे के बाद शेयरों का अधिग्रहण शुरू

- नादिर परिवार हासिल करेगा 20.84 फीसदी अतिरिक्त हिस्सेदारी

नई दिल्ली । गोदरेज परिवार ने अपने समूह के कारोबार के बंटवारे के बाद शेयरों का हस्तांतरण शुरू कर दिया है। स्टॉक एक्सचेंजों को दी गई जानकारी के अनुसार गोदरेज परिवार ने सूचीबद्ध कंपनियों में आदि गोदरेज, नादिर गोदरेज परिवार और जमशेद गोदरेज, स्मिता गोदरेज परिवार की हिस्सेदारी को अलग करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। गोदरेज इंडस्ट्रीज ने स्टॉक एक्सचेंजों को बताया कि शेयरों के अधिग्रहण की प्रक्रिया भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग से मंजूरी मिलने और 30 अप्रैल की सूचना के चार दिन बाद किसी भी समय पूरी करने का प्रस्ताव है। शेयरों का हस्तांतरण पारिवारिक निपटान समझौते के अनुसार किया जाएगा। आदि/नादिर परिवार गोदरेज इंडस्ट्रीज में 20.84 फीसदी अतिरिक्त हिस्सेदारी जमशेद/स्मिता परिवार से हासिल करेगा। इसके अलावा प्रवर्तक समूह की कंपनी अनामुडी रियल एस्टेट्स एलएलपी के साथ साझेदारी से गोदरेज परिवार के कुछ सदस्यों को हटाने की भी योजना है। प्रमोटर समूह की इस कंपनी की गोदरेज इंडस्ट्रीज में 0.57 फीसदी हिस्सेदारी है। इसके साथ ही आदि/नादिर परिवार की गोदरेज इंडस्ट्रीज में 52.01 फीसदी हिस्सेदारी हो जाएगी। गोदरेज इंडस्ट्रीज गोदरेज समूह की अन्य सूचीबद्ध इकाइयों की होल्डिंग कंपनी है। इसके अलावा आदि/नादिर परिवार प्रवर्तक समूह (प्रमोटर ग्रुप) की एक अन्य कंपनी आरकेएन एंटरप्राइजेज के साथ ब्लॉक डील के जरिये जीआईएल में 12.65 फीसदी अतिरिक्त हिस्सेदारी हासिल करना चाहता है। आदि/नादिर के चचेरे भाई रिशद नौरोजी आरकेएन एंटरप्राइजेज के निदेशक हैं। नौरोजी प्रवर्तक कंपनी अनामुडी रियल एस्टेट्स से हट जाएंगे और केवल आदि गोदरेज परिवार ही अनामुडी रिटायरल्स में साझेदार बना रहेगा। परिवार के मुखिया आदि गोदरेज की 0.18 फीसदी हिस्सेदारी पूरी प्रक्रिया के बाद भी ज्यों की त्यों बनी रहेगी।

न्यू स्विफ्ट के लिए प्री-बुकिंग शुरू

-इच्छुक ग्राहक 11,000 रुपये देकर करवा सकते हैं बुक

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने अपनी चौथी पीढ़ी की न्यू स्विफ्ट के लिए प्री-बुकिंग शुरू कर दी है। ग्राहक नई स्विफ्ट को 11,000 रुपये का भुगतान कर प्री-बुकिंग करा सकते हैं। इस नई स्विफ्ट को पहले से बेहतर डिजाइन और ड्राइविंग डायनामिक्स के साथ सिग्नेचर स्पोर्टी डिजाइन में पेश किया जाएगा। मारुति सुजुकी स्विफ्ट भारत की नंबर 1 प्रीमियम हैचबैक कार रही है। लॉन्च के बाद से इसकी 29 लाख से अधिक कारें बिक चुकी हैं। अपने बेशुमार प्रशंसकों के साथ, इस स्पोर्टी प्रीमियम हैचबैक ने स्पोर्टी और डायनेमिक ड्राइविंग पर्फोर्मेंस के मामले में अपने सेगमेंट में नए बेंचमार्क स्थापित किए हैं। अब एक नए अवतार में यह कार बाजार में लॉन्च होने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस घोषणा पर मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के सीनियर एग्जिक्यूटिव ऑफीसर, मार्केटिंग एंड सेल्स, पार्थो बनर्जी ने कहा, ÷मारुति सुजुकी के लिए स्विफ्ट एक सबसे प्रतिष्ठित ब्रांड रहा है। यह एक ऐसा ब्रांड है जिसने बदलते समय के साथ ग्राहकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए अपने में बड़े बदलाव किए हैं। 29 लाख ग्राहकों के साथ इसका मजबूत आधार और बीते वक्त में जीते गए विभिन्न पुरस्कार और सम्मान इस बात का प्रमाण हैं कि यह लोकप्रिय स्विफ्ट किस प्रकार लगातार बाजार में अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए है।÷ उन्होंने बताया कि न्यू स्विफ्ट को स्पोर्टी डीएनए के साथ पेश किया गया है। नई जनरेशन स्विफ्ट के साथ कंपनी का ध्यान पर्यावरण संरक्षण की ओर भी है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली ।

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में शुक्रवार को कोई बदलाव नहीं देखा जा रहा है। देश के अलग-अलग राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें भी अलग-अलग होती हैं। यह इसलिए क्योंकि पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे से बाहर रखा गया है। ईंधन पर राज्य सरकारें अपने मुताबिक टैक्स यानी वैट और अन्य कर लगाती हैं। राजधानी दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.76 रुपये और डीजल की कीमत 87.66 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.13 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.93 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.74 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.73 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.32 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। बेंगलुरु में पेट्रोल 99.82 रुपये प्रति लीटर और डीजल 85.92 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 94.81 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.94 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.03 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.22 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.38 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.39 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.63 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.34 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.16 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.03 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.63 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.74 रुपये प्रति लीटर है।

एप्पल ने भारत में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की: टिम कुक

वाशिंगटन ।

एप्पल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टिम कुक ने कहा कि कंपनी ने भारत में मजबूत दोहरे अंक में वृद्धि दर्ज की है और मार्च तिमाही में नया राजस्व रिकॉर्ड बनाया है। कुक ने कहा कि भारतीय बाजार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एप्पल, डेवलपर से लेकर बाजार तथा परिचालन तक पूरे परिवेश तंत्र पर काम कर रहा है और वह वृद्धि आंकड़ों से बेहद खुश है। उन्होंने टेक कंपनी की दूसरी तिमाही की आय में भारत के योगदान पर कहा कि हमने मजबूत दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज की। हम इससे बेहद खुश हैं। यह हमारे लिए मार्च तिमाही का नया राजस्व रिकॉर्ड है। क्यूपर्टिनो स्थित आईफोन निर्माता ने एक दर्जन से अधिक देशों और क्षेत्रों में रिकॉर्ड राजस्व दर्ज किए हैं। इनमें मार्च तिमाही के भारत, लैटिन अमेरिका और पश्चिम एशिया के साथ-साथ कनाडा, स्पेन और तुर्किये में दर्ज रिकॉर्ड राजस्व शामिल हैं। एप्पल के भारतीय प्रदर्शन पर कुक ने कहा कि कंपनी के परिचालन संबंधी कार्य और विभिन्न पहलों के साथ-साथ बाजार में प्रवेश की योजना जारी है। उन्होंने कहा कि हमने पिछले वर्ष कुछ स्टोर खोले हैं और हमें वहां अपार संभावनाएं नजर आ रही हैं। मार्च में समाप्त वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणामों

की घोषणा करते हुए एप्पल ने कहा कि उसने तिमाही में 90.8 अरब अमरीकी डॉलर का राजस्व दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में चार प्रतिशत कम है। एप्पल एक अक्टूबर से 28 सितंबर तक के वित्त वर्ष का अनुसरण करता है।

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और गुजरात का मुकाबला

बेंगलुरु (एजेंसी)। आईपीएल में शनिवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) की टीम गुजरात टाइटंस के खिलाफ उतरेगी। आरसीबी को इस मैच में अपने घरेलू मैदान का लाभ मिलने की उम्मीदें रहेंगी। ये दोनो टीम अंकतालिका में काफी पीछे हैं। आरसीबी दस मैचों में छह अंक लेकर तालिका में सबसे नीचे है जबकि टाइटंस के दस मैचों में आठ अंक हैं और वह आठवें स्थान पर है। ऐसे में प्लेऑफ के लिए अपनी उम्मीदें बनाये रखने के लिए दोनो ही टीमों को ये मैच हर हाल में जीतना होगा।

इन दोनो ही टीमों की संभावना चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स को पिछले मैचों में मिली हार से बनी हैं। इन दोनों ही टीमों को अब हर मैच जीतने के साथ ही दूसरी टीमों के परिणामों पर भी आधारित रहना होगा। आरसीबी के लिए अब तक इस सत्र में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने सबसे अधिक रन बनाये हैं। इस मैच में भी टीम को उनसे इसी प्रकार के प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी। आरसीबी की ओर से विराट के अलावा कप्तान फाफ डु प्लेसी और रजत पाटीदार ने भी अच्छी बल्लेबाजी की है पर अन्य बल्लेबाजों ने निराश किया है। वहीं टीम के गेंदबाज भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं जिससे टीम अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पायी है। ऐसे में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज , यश दयाल, कर्ण शर्मा और स्वप्निल सिंह को अब अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। इन गेंदबाजों में इस मैच में गुजरात के बल्लेबाजों को बड़ा स्कोर बनाने से रोकना होगा। गुजरात के पास कप्तान शुभमन गिल , साई सुदर्शन और डेविड मिलर सहित कई अच्छे गेंदबाज हैं पर टीम को निरंतरता की कमी से लाभ नहीं मिला है। टीम अभी तक एक ईकाई के रूप में अच्छा नहीं कर पायी है। इसी कारण वह करीबी मुकाबले हारी है।

गुजरात के पास राशिद खान जैसा शानदार स्पिनर है पर वह भी अब तक प्रभावित नहीं कर पाये हैं। राशिद ने हालांकि अंतिम ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी की है। राशिद ने दस मैचों में आठ की इकॉनॉमी रेट से आठ विकेट लिये

हैं। पिछले साल उन्होंने 8 . 24 की इकॉनॉमी रेट से 27 विकेट लिये थे। उसके तेज गेंदबाज उमेश यादव और मोहित शर्मा ने विकेट लिए हैं पर काफी रन भी दिये हैं।

कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मैच रोमांचक रहेगा। इसमें टॉस पर भी काफी कुछ परिणाम आधारित रहेगा। बल्लेबाजी पिच होने के कारण टॉस जीतने वाली टीम बड़ा स्कोर बनाना चाहेगी।

टीम

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर - फाफ डु प्लेसी (कप्तान), ग्लेन मैक्सवेल, विराट कोहली, रजत पाटीदार, अनुज रावत, दिनेश कार्तिक, सुयश प्रभुदेसाई, विल जैक्स, महिपाल लोमरोर, कर्ण शर्मा, मनोज भंडागे, मयंक डागर, विजयकुमार विशक, आकाश दीप। मोहम्मद सिराज, रीस टॉपले, हिमांशु शर्मा, राजन कुमार, कैमरून ग्रीन, अल्ज़ारी जोसेफ, यश दयाल, टॉम कुरेन, लॉकी फर्ग्यूसन, स्वप्निल सिंह, सौरव चौहान।

गुजरात टाइटंस- शुभमन गिल (कप्तान), डेविड मिलर, मैथ्यू वेड, रिद्धिमान साहा, रॉबिन मिंज, केन विलियमसन, अभिनव मंधार, बी साई सुदर्शन, दर्शन नालकंडे, विजय शंकर, अजमतुल्लह उमरजई, शाहरुख खान, जयंत यादव, राहुल तेवतिया, कार्तिक त्यागी, शशांत मिश्रा, स्पेंसर जॉनसन, नूर अहमद, साई किशोर, उमेश यादव, राशिद खान, जोशुआ लिटिल, मोहित शर्मा और मानव सुतार।

कीस को हराकर इगा स्वियातेक मैड्रिड ओपन फाइनल में

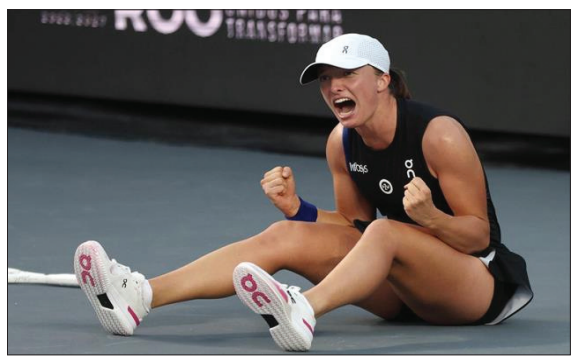

मैड्रिड (एजेंसी)। इगा स्वियातेक ने मेडिसन कीस को सीधे सेटों में हराकर मैड्रिड ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया जहां उनका सामना एरिना सबालेंका से होगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त स्वियातेक ने कीस को 6.1, 6.3 से मात दी। अब वह सबालेंका से खेलेंगी जिन्होंने चौथी रैंकिंग वाली एलेना रिबाकिना को 1.6, 7.5, 7.6 से हराया है। पुरूष वर्ग में दानिल मेदवेदेव 31वीं रैंकिंग वाले जिरि लेहेका से पहला सेट 4.6 से हारने के बाद क्वार्टर फाइनल मैच से रिटायर हो गए। उन्हें दाहिने पैर में चोट लगी थी और उपचार भी लेना पड़ा। लेहेका का सामना अब 35वीं रैंकिंग वाले फेलिक्स आगर एलियास्सिमे से होगा।

विराट का अनुभव टी20 विश्वकप के लिए अहम रहेगा : अगरकर

-आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में है अंतर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर ने विराट कोहली की प्रशंसा करते हुए कहा है उनका अनुभव बहुमूल्य है और वह टी20 विश्व कप में हमारे लिए बेहद अहम हैं। अगरकर ने कहा कि इसी कारण हम आईपीएल में उनके स्ट्राइक रेट को लेकर विचार नहीं कर रहे क्योंकि हम जाने हैं कि वह शीर्ष स्तर के खिलाड़ी हैं।

विराट ने अब तक 10 पारियों में एक शतक और चार अर्धशतकों के साथ 500 रन बनाए हैं पर उनके 147 से कुछ अधिक का उनका स्ट्राइक रेट को कम बताया जा रहा है। वहीं अन्य बल्लेबाजों ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड का स्ट्राइक रेट 194 से अधिक हैं। इसके अलावा फिल सॉल्ट 180 से अधिक और सुनील नारायण 182 से अधिक हैं। अगरकर ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हम इस पर चर्चा कर रहे हैं। वह आईपीएल में शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं इसलिए कोई चिंता की बात नहीं है।'

विराट का अनुभव बहुमूल्य है पर अगरकर का मानना है कि अगर बड़े स्कोर वाले मैच होते हैं तो बल्लेबाजी क्रम में पर्याप्त पावर हिटर हैं। अगरकर ने कहा कि आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अंतर है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अनुभव बहुत अहम होता है। अगरकर का सीधा कहना है कि विश्वकप कप का दबाव अलग होता है। इसलिए वह कोहली के स्ट्राइक रेट को लेकर चिंतित नहीं हैं। विराट कोहली के नाम टी20 वर्ल्ड कप में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड है

महिला क्रिकेट : भारत टेस्ट, वनडे और टी20 श्रृंखला के लिए दक्षिण अफ्रीका की करेंगी मेजबानी

मुम्बई (एजेंसी)। बेंगलुरू - भारत जून और जुलाई में 1 टेस्ट, 3 एकदिवसीय और 3 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए दक्षिण अफ्रीका महिला टीम की मेजबानी करेगा। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के एक अधिकारी ने बताया कि वनडे और टी20 मैच बेंगलुरु में खेले जाएंगे, जबकि टेस्ट मैच चेन्नई में खेला जाएगा।

वनडे मैच 16 जून से एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होंगे, जबकि एकमात्र टेस्ट 28 जून से एमए चिदंबरम स्टेडियम में शुरू होगा। इसके बाद टीमें पांच, सात और नौ जुलाई को टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए बेंगलुरु लौटेंगी। इस टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला की अहमियत इसलिए भी ज्यादा है क्योंकि सितंबर-अक्टूबर में बांग्लादेश में महिला टी20 विश्व कप खेला जाएगा।

सफेद गेंद प्रारूप की श्रृंखला मूल रूप से पिछले साल के आखिर में खेली जानी थी और यह आईसीसी भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) का हिस्सा थे, लेकिन पिछले साल अक्टूबर और नवंबर के बीच भारत में आयोजित 50 ओवर के आईसीसी पुरुष विश्व कप के कारण उन्हें आगे बढ़ाना पड़ा। सीमित ओवरों की श्रृंखला में अब एक टेस्ट मैच को भी शामिल कर लिया है।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) पारंपरिक प्रारूप में महिला क्रिकेट को और अधिक प्रोत्साहन देने चाहता है। गौरतलब है कि भारत ने पिछले साल दिसंबर में मुंबई में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक-एक टेस्ट खेला था। भारत ने उन मैचों में इंग्लैंड को महिला टेस्ट क्रिकेट में सबसे बड़े 347 रनों से और ऑस्ट्रेलिया को 8 विकेट से हराया था।

पांड्या के चयन हो अगरकर ने सही बताया, उसका कोई विकल्प नहीं

मुंबई । बीसीसीआई चयनसमिति के प्रमुख अजित अगरकर ने आगामी टी20 विश्व कप क्रिकेट के लिए ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के चयन को लेकर कहा कि हमारे पास उनका कोई विकल्प नहीं था। अगरकर के अनुसार कोई अन्य खिलाड़ी वो भूमिका नहीं निभा सकता जो पंड्या निभाते हैं। अगरकर के अनुसार हार्दिक के होने से टीम में संतुलन आता हैं, साथ ही वह जिस प्रकार खेलता है वैसे कोई नहीं खेल सकता। साथ ही कहा कि टीम चयन में आईपीएल प्रदर्शन की भूमिका नहीं रही है। उन्होंने ये बात इसलिए कही कि पंड्या आईपीएल में गेंदबाजी और बल्लेबाजी में विफल रहे हैं। इसी कारण कई लोगों ने हार्दिक को टी20 विश्व कप टीम का उपकप्तान बनाए जाने पर सवाल उठाये थे। इसके अलावा पंड्या की फिटनेस भी अच्छी नहीं रही है। अगरकर ने कहा कि उपकप्तानी को लेकर कोई बात नहीं हुई। उसने अभी तक मुंबई इंडियंस के लिए सारे मैच खेले हैं। वहीं टी20 विश्वकप में अभी समय है।

वह फिट है तो वह जो कर सकता है, उसका कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि वह चोट के बाद लंबे समय में वापसी कर रहा है। हमें उम्मीद है कि वह अपनी फिटनेस पर काम कर रहा है। गेंदबाजी करने पर वह रोहित को काफी विकल्प और संतुलन दे सकता है। अगरकर ने कहा कि जब तक वह फिट रहता है तो हम जानते हैं कि वह क्या कर सकता है। वह टीम को कितना संतुलन देता है। मुझे नहीं लगता कि इस समय एक क्रिकेटर के तौर पर वह जो कर सकता है, उसका कोई विकल्प है, खासकर जब बात उसके गेंदबाजी करने के तरीके की हो। उन्होंने कहा कि वास्तव में अपने संतुलन के साथ वह रोहित को अलग-अलग संयोजनों में खेलने का विकल्प देता है, इसलिए हमारे लिए उसकी फिटनेस अहम है और अब तक किस्मत से, वह एक खिलाड़ी के तौर पर ठीक-ठाक प्रदर्शन कर रहा है।

रुतुराज को टी20 विश्व कप के लिए शामिल नहीं करने पर भड़के श्रीकांत

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान के श्रीकांत ने बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ को टी20 विश्व कप के लिए शामिल नहीं किये जाने पर नाराजगी जतायी है। श्रीकांत ने इस मामले में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयनसमिति को भी आड़े हाथों लिया है। श्रीकांत ने कहा कि टीम चुनने में बहुत ज्यादा पक्षपात हुआ है। श्रीकांत ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि रुतुराज को इस टीम में जगह मिलनी चाहिये थी। उन्होंने 17 टी20ई पारियों में 500 से अधिक रन बनाए। इसके अलावा उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक भी बनाया था। वहीं टीम में रिजर्व के तौर पर शामिल शुभमन गिल फार्म में नहीं हैं, इसके बाद भी उन्हें जगह दी गयी। साथ ही कहा कि शुभमन अगर असफल भी होते हैं तो भी उन्हें अवसर मिलता है। टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 में असफल होने पर भी उन्हें जगह मिल जाती है। श्रीकांत ने आईपीएल के इस सत्र में रुतुराज के अच्छे प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने 10 पारियों में 500 से अधिक रन बनाये हैं। इसके बाद भी उन्हें टी20 विश्व कप के लिए राष्ट्रीय टीम में नहीं है। श्रीकांत ने इसके साथ ही आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंह को जगह ना मिलने पर नाराजगी जतायी है। उन्होंने कहा कि रिंकू कठिन हालातों में भी दबाव में नहीं आने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया है।

पीसीबी ने आईसीसी से कहा , चैंपियन्स ट्रॉफी में भारत के मुकाबले एक ही शहर में रखें

लाहौर(एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अगले साल होने वाले चैंपियन्स ट्रॉफी में भारतीय टीम के क्वालीफाइंग दौर के मुकाबलों को एक ही जगह रखना चाहता। इसी कारण पीसीबी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा है कि इन मुकाबलों को कराची, रावलपिंडी और लाहौर को में से किसी एक जगह पर रखा जाए। आईसीसी के महाप्रबंधक वसीम खान ने भी हाल ही में लाहौर का दौरा किया था जहां उन्होंने पीसीबी के शीर्ष अधिकारियों के साथ चैंपियन्स ट्रॉफी की तैयारियों पर बात की थी। तब पीसीबी ने उन्हें सलाह दी थी कि सुरक्षा कारणों से भारतीय टीम के यात्रा कार्यक्रम को कम से कम रखा जाए।'' ऐसे में वह क्वालीफाइंग दौर के मैच कराची में चाहता है।

भारत और पाक अभी केवल आईपीसी टूर्नामेंटों में खेल रहे हैं पर इसके बाद भी भारतीय टीम के पाक जाने की कोई संभावनाएं नजर नहीं आती हैं। इससे पहले एशिया कप में भी भारत ने सुरक्षा करणों से पाक जाने से इंकार कर दिया था। तब भारत के मुकाबले श्रीलंका में हुए थे। वहीं पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी के अनुसार इस बार किसी अन्य देश में मुकाबले नहीं रखे जाएंगे और सभी टीमों को पाक में ही खेलना होगा। पीसीबी ने आईसीसी ने कहा है कि वह भारतीय क्रिकेट बोर्ड पर चैम्पयंस ट्रॉफी में खेलने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल करे। पीसीबी के अनुसार उसने चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए अपनी ओर से तैयारियां शुरु कर दी हैं।

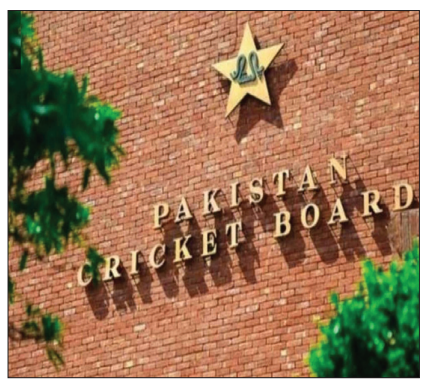

चेलसी से हारकर टोटेनहम की चैम्पियंस लीग की उम्मीदों को झटका

लंदन - चेलसी के हाथों 2.0 से मिली हार के साथ टोटेनहम की चैम्पियंस लीग फुटबॉल के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को करारा झटका लगा। प्रीमियर लीग में टोटेनहम की यह 4 दिन में दूसरी हार थी। उसे आर्सनल ने रविवार को 3.2 से हराया था। इंग्लैंड को अगले सत्र में चैम्पियंस लीग में चार ही कोटा स्थान मिलेंगे। टोटेनहम तालिका में 5वें स्थान पर है और चौथे स्थान पर काबिज एस्टोन विला उससे 7 अंक आगे है।

शैफाली की शानदार पारी से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने तीसरा टी20 जीता, सीरीज में 3-0 की बढ़त मिली

सिलहट (ईएमएस)। शेफाली वर्मा की अर्धशतकीय की सहायता से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने तीसरे टी-20 मुकाबले में बांग्लादेश को सात विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम पांच मैच की टी20 सीरीज में 3-0 से आगे हो गयी है। इस मैच में जीत के लिए मिले 118 रनों के लक्ष्य का पीछा करने सलामी बल्लेबाज शेफाली और स्मृति ने तेजी से खेलते हुए पहले विकेट लिए 91 रन बनाये। शेफाली ने 38 गेंदों में आठ चौकों की सहायता से 51 रन जबकि मंधाना ने पांच चौके, एक छक्का लगाते हुए 47 रन बनाये। शेफाली ने इस मैच में अपना नौवां अर्धशतक पूरा किया। इन दोनो के आउट होने के बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 6 और ऋचा घोष ने 8 रन बनाकर भारतीय टीम को जीत के लक्ष्य तक पहुंचाया। इस प्रकार भारतीय टीम ने 18.3 ओवर में ही तीन विकेट पर 121 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। इससे पहले आज भारतीय टीम ने टॉस जीतकर मेजबान टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। बांग्लादेश की टीम के लिए सलामी बल्लेबाज दिलारा अख्तर ने 39 और कप्तान निगार सुल्ताना ने 28 रन बनाये। इनके आउट होने के बाद अन्य बल्लेबाज एक के बाद एक आउट होते चले गये। इस प्रकार मेजबान टीम निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 117 रन ही बना पायी। भारत की ओर से राधा यादव ने 22 रन देकर दो विकेट लिए जबकि रेणुका सिंह, पूजा वस्त्राकर और श्रेयंका पाटिल ने एक-एक विकेट लिया।

अब बॉलीवुड में नजर आयेंगे रसेल

मुम्बई । अपनी आक्रमक बल्लेबाजी के लिए मशहूर वेस्टइंडीज के क्रिकेटर आंद्रे रसेल अब बॉलीवुड में भी कदम रख रहे हैं। रसेल पिछले कई साल से भारत में आईपीएल खेल रहे हैं। रसेल के प्रशंसक भी भारत में काफी हैं, इस कारण भी उन्हें भारत में रहना पसंद है। रसेल का कहना है कि उन्हें भारत में बहुत प्यार मिलता है। अब वह अभिनेत्री अविका गौर के साथ एक गाने में डांस करते दिखेंगे। ये गाना 9 मई को रिलीज होगा। रसेल ने कुछ दिन पहले ही इस गाने की शूटिंग का पहला शॉट देने की एक तस्वीर भी साझा की थी। रसेल शांता स्वभाव के हैं और आईपीएल में केकेआर की ओर से खेल रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अपना जन्मदिन भी भारत में ही मनाया था। रसेल ने अबतक 30 से ज्यादा टीमों की ओर से लीग क्रिकेट खेला है। इस सत्र में वह आईपीएल में केकेआर की तरफ से खेलते हुए रसेल को प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है वह 9 मैचों में केवल 179 रन ही बना पाये हैं। वहीं उन्होंने 9 विकेट लिए हैं।

रोहित ने चार स्पिनरों के चयन पर कहा, हालातों के अनुसार लिया फैसला

-आईपीएल प्रदर्शन को नहीं दिया अधिक महत्व

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने आगामी टी20 विश्व कप क्रिकेट के लिए टीम में चार स्पिनरों के चयन को लेकर कहा कि इसमें आईपीएल प्रदर्शन को अधिक महत्व नहीं दिया गया। विश्वकप के लिए भारतीय टीम में शामिल चार स्पिनरों में कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल कलाई के स्पिनर हैं जबकि अक्षर पटेल और रविंद्र जडेजा ऑलराउंडर हैं।

रोहित ने चार स्पिनरों को लेकर कहा कि हमने वेस्टइंडीज में काफी क्रिकेट खेली है। वहां के हालातों के अनुसार हमें चार स्पिनर चाहिये थे जिनमें से दो आक्रामक स्पिनर कुलदीप और चहल का रखा गया है जबकि दो स्पिन ऑलराउंडर अक्षर और जडेजा। इससे टीम को संतुलन मिला है। साथ ही कहा कि विरोधी टीम को देखकर हम अंतिम ग्यारह का चयन करेंगे। रोहित ने कहा कि बीच के ओवरों में टीम की जरूरतों का भी ध्यान रखा गया है।

वहीं शिवम दुबे को शामिल करने और रिंकू सिंह की उपेक्षा पर रोहित ने कहा कि हमें यह समझना होगा कि पिचें और विरोधी टीम संयोजन कैसा होगा। हमें बीच के ओवरों में आक्रामक बल्लेबाज की जरूरत है। शीर्षक्रम ठीक खेल रहा है। दूसरे विकल्प भी हैं। हमने शिवम को आईपीएल और उससे पहले कुछ मैचों में उसके प्रदर्शन के आधार पर रखा है पर इसकी कोई गारंटी नहीं है कि अंतिम एकादश कैसी होगी। उन्होंने कहा कि 70 से 80 फीसदी टीम के खिलाड़ियों के नाम आईपीएल से पहले ही तय कर लिए गये थे। उन्होंने कहा कि आप अंतिम एकादश को ध्यान में रखकर ही उसके हिसाब से सोचते हैं। अंतिम 15 के बारे में बात आईपीएल से काफी पहले ही शुरू हो गई थी। कुछ स्थानों को लेकर हमने आईपीएल में विचार किया। आईपीएल में प्रदर्शन हर दिन बदलता है। कोई भी आकर शतक बना सकता है या पांच विकेट ले सकता है। हमें आईपीएल से पहले ही अपनी 70 से 80 फीसदी टीम पता थी।

रोहित ने कहा कि हरफनमौला दुबे और हार्दिक पंड्या को अपनी भूमिका पूरी तरह से निभानी होगी। उन्होंने कहा कि मैं उनसे वही करने की अपेक्षा करता हूं जो वे आईपीएल में कर रहे हैं। शिवम ने आईपीएल में एक भी ओवर नहीं डाला है पर वह अनुभवी क्रिकेटर है जो लाल गेंद से क्रिकेट में काफी ओवर डालता है। उन्होंने कहा कि कौशल वाले गेंदबाजों के लिए टी20 प्रारूप में सफल होने की संभावना अच्छी होती है। अगर हमें जरूरत हुई तो शिवम को कुछ ओवर डालने पड़ेंगे। इसी तरह से हार्दिक को भी जो आईपीएल में नियमित गेंदबाजी कर रहा है। उसने अभी तक सारे मैच खेले हैं ऐसे में

फिटनेस का कोई मामला नहीं है। उन्होंने कहा कि आफ स्पिनर को नहीं चुनने का कारण यह भी था कि वॉशिंगटन सुंदर, आर अश्विन पिछले काफी समय से नहीं खेला जबकि अक्षर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, इसलिए उनको ही शामिल किया।

ओलंपिक के लिए सिंधु, प्रणय सहित सात भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों को मिला टिकट

नई दिल्ली । आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए तक सात बैडमिंटन खिलाड़ियों को क्वालीफाइंग टिकट मिला है। इसमें पीवी सिंधु, एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन जैसे शीर्ष खिलाड़ी शामिल हैं। सिंधु , प्रणय और लक्ष्य ने पहले ही ओलंपिक में जगह पक्की कर ली थी पर अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन महासंघ ने तय कट ऑफ तारीख के बाद आधिकारिक तौर पर अब इनके क्वालीफाई करने की पुष्टि की है। ओलंपिक खेल के नियमों के अनुसार कट ऑफ तारीख पर ही क्वालिफिकेशन रैंकिंग के आधार पर पुरुष और महिला एकल से शीर्ष 16 खिलाड़ी ओलंपिक के लिए क्वॉलिफाई करते हैं। इसमें सिंधु 12वें स्थान पर रहीं जबकि पुरुष एकल में प्रणय और लक्ष्य क्रमशः नौवें और 13वें स्थान पर रहे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सभी शिशु रोते है, यह बिलकुल सामान्य बात है। अधिकांश शिशु प्रत्येक दिन कुल एक घंटे से लेकर तीन घंटे तक के समय के लिए रोते हैं। आपका नन्हा सा शिशु अपने आप खुद कुछ नहीं कर सकता है और वह आप पर अपनी हर जरुरत के लिए निर्भर करता है-चाहे वह भूखा है, आराम चाहता है या फिर प्यार और दुलार। आपका शिशु रो कर ही आपको यह बता सकता है की उसे किसी चीज की जरुरत है।

जानें आखिर क्यों इतना रोता है आपका बच्चा और उसे संभालने के उपाय

आपके लिए कई बार यह पता चलाना मुश्किल हो जाता है की आखिर शिशु रो क्यों रहा है। लेकिन समय के साथ आप पहचानने लगेंगी और समझने लगेंगी की आपके शिशु के रोने का कारण क्या है। और जैसे जैसे आपका शिशु बढ़ता है वह आप के साथ बात चीत करने के अन्य तरीके सीख लेता है जैसे की आंखों का समपर्क, शोर मचाना या फिर मुस्कुराते हुए आपका ध्यान अपनी तरफ खींचना। अगर आपका शिशु रो रहा है और चुप नहीं हो रहा है तो हो सकता है वह आपसे से यह कहने की कोशिश कर रहा है..."

मुझे भूख लग रही है

भूख किसी नवजात शिशु के रोने का सबसे बड़ा कारण है। किसी बच्चे का छोटा सा पेट बहुत कुछ भंडार में नहीं रख सकता। इसीलिए अगर आपकी संतान रोती है, तो उसे दूध पिलाने की कोशिश करें, क्योंकि वह भूखी हो सकती है।

मेरी नैपी (कलोट) बदलो

कुछ शिशु अपनी नैपी बदलने की जरूरत पर बहुत ध्यान नहीं देते लेकिन कई दूसरे तुरंत ही चीख कर आपका ध्यान अपनी ओर खींचेंगे। खासकर तब, अगर उनकी कोमल त्वचा में खुजली या खुश्की हो। यह भी देखें कि कहीं नैपी बहुत कस कर तो नहीं बंधी है, या उसके कपड़े तो उसको परेशान नहीं कर रहे हैं।

मुझे अधिक गर्म या अधिक ठंड लग रही है

जांच करें कि आपका शिशु अपने बिस्तर में कहीं बहुत अधिक गर्म या ठंडा तो नहीं महसूस कर रहा। इसे आप उसके पेट को छूकर पता कर सकते हैं (उसके हाथ या पैर से पता नहीं लगेगा, वे सामान्य तौर पर ठंडे होते हैं)। अगर उसका शरीर अधिक गरम है, तो एक कंबल हटा दें। अगर वह ठंडा है तो एक और उढ़ा दें। मौसम के अनुसार कमरे का तापमान 22 और 25 डिग्री सेल्सियस के बीच में रखें।

मुझे गोद में ले लो

कई बार आपका शिशु केवल दुलार चाहता है। चिंता न करें, अगर आप अपने शिशु को शुरुआती कुछ महीनों में अधिक समय तक उठा भी लेंगे, तो वह बिगड़ नहीं जायेगा। छोटे बच्चों को शारीरिक आराम और आश्वासन की बहुत जरूरत है। यदि आप अपने बच्चे को सीने से लगा के रखेंगे तो उसे आपकी दिल की धड़कन सुनकर दिलासा मिलेगा आप शिशु को एक बेबी स्लिंग या केरीयर में भी रख सकती है जो आपके सीने या पीठ पर बंधता हो ऐसा करने से शिशु आपकी गोद में रह सकेगा और बाकी कामों के लिए आपके हांथ भी मुक्त रहेंगे।

मुझे आराम की जरूरत है

नवजातों के लिए काफी सक्रिय रहना कठिन होता है। उसके रोने का एक मतलब होता है- बस, मेरे लिए काफी है. रोना, चिडचिडाना, उदास हो कर छत के ओर घूरना नींद आने के कुछ उदाहरण हैं। उसे किसी शांत और खामोश जगह ले जाएं। कुछ देर बाद आप पाएंगे कि वह सोने के लिए तैयार है।

मेरी तबियत ठीक नहीं है

अपने बच्चे में किसी भी परिवर्तन के बारे में सतर्क रहे। अगर वह अस्वस्थ है, वह शायद वह हमेशा की तरह न रोये। रोने का अलग ही स्वर हो सकता है, थोडा कम या अधिक या फिर चीख कर लगातार रोना। और अगर आपका शिशु आम तौर पर बहुत रोता है, लेकिन असामान्य रूप से शांत हो गया है, तो यह भी एक संकेत है कि उसकी तबियत ठीक नहीं है। कोई भी आपके शिशु को इतनी अच्छी तरह से नहीं जान सकता जैसे की आप। यदि आपको लगता है कि आपके शिशु की तबियत ठीक नहीं लग रही है तो डॉक्टर से बात करें और अपनी चिंताओं पर चर्चा करें। डॉक्टर को तुरंत बुलाएं अगर आपका शिशु को रोते समय सांस लेने में कठिनाई हो रही है, या अगर रोने के साथ उसे बुखार, उल्टी, दस्त या कब्ज भी हो रहा हो।

मुझे कुछ चाहिए...पर पता नहीं क्या

कभी कभी आपको समझने में कठिनाई होगी की आखिर शिशु रो क्यूं रहा है। देखा गया है की अक्सर नवजात शिशु बीच में कुछ दिनों के लिए चिडचिडे हो जाते हैं या फिर रोते ही रहते हैं। कभी कभी यह एकदम ही चुप हो जाते हैं या फिर कभी कभी घन्टों तक रोते हैं। अक्सर यह पेट के दर्द याने कोलिक की वजह से होता है। कालिक कम से कम तीन दिनों के लिए, एक दिन में कम से कम तीन घंटे के लिए गमगीन रोने के रूप में प्रकट होता है। इससे निबटना कठिन होता है, वहीं इसकी कोई जादुई दवा भी नहीं है। हालांकि आपके लिए यह जानना फायदेमंद होगा कि दर्द कभी भी काफी दिनों तक नहीं रहता।

मेरा शिशु लगातार रो रहा है मैं क्या करूं? यहां कुछ नुस्खे हैं जिससे आप अपने शिशु को आराम पहुंचा सकते हैं"

उसे लपेटें और कस कर पकड़ें

कई माता पिता यह देखते हैं की उनके शिशु गोद में आते ही चुप हो जाते हैं खासकर जब वह आपके दिल की धड़कन को सुन के सुखदायक मेहसूस करते हैं। कई नवजात लिपटना और सुरक्षित महसूस करना पसंद करते हैं। जैसा कि वह गर्भ में रहते हैं, तो आप अपने शिशु को कंबल में लपेटें (यह स्वैडलिंग के नाम से जाना जाता है) या बेबी स्लिंग में भी उसे रख सकते हैं ताकि जान सकें कि क्या वह उसे पसंद करता है। हलाकि कुछ शिशु ऐसे भी होते हैं जिन्हें लिपटे हुए रहना बिलकुल पसंद नहीं होता।

एक लगातार ध्वनि खोजें

गर्भ में आपका शिशु आपके दिल की धड़कन लगातार सुनता रहता है। इसलिए मधुर संगीत की आवाज या लोरी से आपके शिशु को आश्वासन मिलेगा। कई माता पिता को लगता है कि घड़ी की टिक टिक के स्थिर लय अक्सर शिशु को खामोश करते हैं और सोने में भी मदद करते हैं। अब बाजार से संगीत के सीडी या फिर टेप खरीद सकती है जो नन्हे शिशुओं को सुलाने में मदद केंगे।

अपनी बाहों में शिशु को घुमाएं

अधिकतर बच्चे धीरे-धीरे हिलना पसंद करते हैं, या तो आप उसे टहलाएं या गोद में लेकर एक हिलनेवाली कुर्सी मे बैठें। खास तौर पर बच्चों के लिए बनाए झूले भी कुछ बच्चों को शांत कर देते हैं, पर कई सो भी जाते हैं, जैसे ही उनको किसी कार में कहीं ले जाया जा रहा हो।

दूध पिलाने के लिए अलग स्थिति खोजें

कुछ बच्चे दूध पीते समय रोते हैं यदि आप स्तनपान करा रहीं है तो आपने देखा होगा की

शिशु आराम से स्तन मुह में लेता है जब वह शांत होता है। अगर फीड के दौरान शिशु को गैस हो रहा है, तो आप ऐसी स्तिति ढूंढे जिसमे वह थोडा और सीधा होकर दूध पी सके। दूध पिलाने के बाद शिशु को डकार अवश्य दिलाएं। अगर आपका शिशु दूध पीने के बाद भी रोता है तो हो सकता है वह अब भी भूखा है। दोबारा से उसे दूध पिलाने की कोशिश करें।

उसे कुछ चूसने को दें

कुछ नवजातों में चूसने की इच्छा काफी तीव्र होती है और एक चुसनी या (साफ) उंगली या अंगूठा उसे काफी आरामदेह लगता है। कम्फर्ट सकिंग किसी बच्चे के दिल की धड़कन को नियमित कर सकता है, उसके पेट को आराम पहुंचाता है, और उसे शांत कर देता है।

उसे एक गुनगुना स्नान दें

गुनगुने पानी से स्नान आपके बच्चे को शांत करने में मदद करेगा पहले पानी का तापमान की जांच करें फिर शिशु को टब में डालें. यह बात ध्यान में रखें की अगर आप्कपके शिशु को स्नान पसंद नहीं है तो यह तरकीब काम नहीं करेगी-उल्टा शिशु और जोर से रोने लग सकता है।

कभी खुद से बहुत अधिक न मांगें

एक नवजात जो लगभग लगातार रोता है वह खुद को तो नुकसान नहीं पहुंचाता, लेकिन अपने अभिभावकों को जरूर तनावग्रस्त कर सकता है। खैर, अगर आपने अपनी सोच के मुताबिक सब कुछ आजमा लिया है, तो समय आ गया है कि आप खुद की चिंता करें।

-यदि आप बाद प्रसव पूर्ण एकांतवास में हैं तो बाकि घर वालों की मदद लें।

-कुछ शांत संगीत सुनकर आराम करें।

-अपने शिशु को किसी सुरक्षित जगह लिटा दें और कुछ देर तक रोने दें-अपनी सुनने की सीमा के भीतर कुछ गहरी सांसें लें।

-यदि आप और आपका शिशु दोनों ही परेशान हैं और आपकी सारी कोशिशे नकाम सी लग रहीं है तो अपने पति या घर के किसी और रिश्तेदार की मदद लें।

-अपने डॉक्टर से स्थानीय समर्थन समूहों (लोकल सपोर्ट ग्रुप) का पता लगाएं, जहां आप दूसरे नए अभिभावक बने लोगों से अपने अनुभव साझा कर सकें।

-मित्रों या फिर माता पिता से बात चीत करें और कुछ रणनीतियों बनायें अपनी भावनाओं को साझा करने के लिए और अन्य नए माता पिता के साथ बात करें।

इन गेम्स में रखें बच्चे को बिजी शैतान नहीं बनेंगे समझदार

कोरोना महामारी के कारण हर जगह लॉकडाउन किया गया। वैसे तो अब लोगों ने काम पर जाना शुरू कर दिया है। मगर बात बच्चों की करें अभी भी बहुत से बच्चे ऑनलाइन क्लासिस लगा रहे हैं। ऐसे में घर पर रहने से बच्चे भी परेशान हो गए है। साथ ही उनकी शरारतें भी तेजी से बढ़ रही है। कुछ बच्चों की शरारतों के चलते मां-बाप बेहद परेशान हो गए है। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसी गेम्स बताते हैं, जिसकी मदद से आप बच्चों को बिजी कर सकते हैं। साथ ही इससे वे नई चीजों को सीख सकते हैं। तो चलिए जानते हैं उन एक्टिविटी के बारे में...

गार्डनिंग सिखाएं

अगर आपको व बच्चों को पौधे पसंद है तो उनकी गार्डनिंग में मदद लें। उन्हें पौधों का महत्व बताते हुए रोजाना पानी देने की सीख दें। इससे उनके अंदर एक अच्छी आदत भी विकसित होगी।

कुकिंग सिखाना भी अच्छा आइडिया

आजकल के बच्चों को हर काम आना चाहिए। ऐसे में आपका बेटी हो या बेटी आप उन्हें कुकिंग सिखा सकती है। अगर आपके बच्चा ज्यादा छोटा है तो आप उनसे सैंडविच, बेल पुरी, चाट आदि बनवा सकती है। इसके अलावा केक, कुकिज बेक करवाना भी सही रहेगा। ऐसे में उसके अंदर एक और हुनर आएगा। साथ ही जरूरत पड़ने पर वे खुद के लिए खाना बना कर खा सकते हैं।

ड्राइंग सिखाना भी सही

बच्चों को कलर की दुनिया में खोने का अलग ही मजा आता है। ऐसे में आप उनसे पेंटिंग करवा सकते हैं। इसके लिए उन्हें एक ड्राइंग बुक व कलर खरीद कर उन्हें दें। अगर आपके बच्चे 5 से बड़े हैं तो आप उन्हें बबल पेंटिंग, पैबल पेंटिंग और स्प्रे पेंटिंग सिखा सकते हैं। इससे वे बिजी भी रहेंगे साथ ही उनकी क्रिएटिविटी निखर कर सामने आएगी।

पजल गेम से होगा दिमाग तेज

शरारती बच्चों को हमेशा से दिमाग वाला काम करने का शौक होता है। ऐसे में आप उन्हें पजल गेम लाकर दे सकते हैं। आपको बाजार में बहुत सी पजल गेम्स आसानी

से मिल जाएगी। इस तरह तरह वे उसे सुलझाने की कोशिश करेंगे। इससे उनका टाइम पास होने के साथ दिमाग का विकास होगा। साथ ही आपको भी उनकी शरारतों से आराम मिलेगा।

अलग-अलग क्लासिस करवाएं ज्वाइन

ज्यादा शोर मचाने वाले बच्चों को अक्सर इंस्ट्रूमेंट पसंद होते हैं। ऐसे में आप उन्हें गिटार, पियानो, तबला, सिंगिंग या डांस की क्लासिस ज्वाइन करवा सकते हो। इसके लिए आपको ऑनलाइन क्लासिस आसानी से मिल जाएगी। इसके अलावा यूट्यूब की भी मदद ले सकते हैं। इस तरह बच्चे मजे-मजे में एक नई चीज आसानी से सीख लेंगे। साथ ही उन्हें आगे अपना लक्ष्य चुनने की भी प्रेरणा मिलेगी।

आप थोड़ी सी सूझबूझ से निपटा सकते हैं भाई-बहनों के आपसी मसले, ये टिप्स आजमाएं

घर में अगर दो बच्चे हैं तो उनकी परवरिश के लिए समझ-बूझ की ज़रूरत होती है। सब बच्चों पर एक ही नियम लागू नहीं हो सकता, क्योंकि भाई-बहन में जहां प्यार होता है तो वहीं छोटे-मोटे झगड़े भी होते हैं। हर छोटी-बड़ी बात पर मम्मी-पापा को इनके झगड़े का हिस्सा बनना पड़ता है। अगर पैरेंट्स एक बच्चे के व्यवहार को सही कह दें और दूसरे के व्यवहार को गलत तो उसमें भी मुश्किल है, क्योंकि इससे एक बच्चे को बुरा लग सकता है। हम आपको कुछ ऐसी ही छोटी-छोटी बातें बता रहे हैं, जिससे आप अपने बच्चों की आपसी नोक-झोंक को समझदारी से सुलझा सकते हैं।

झगड़े की वजह जानें

अक्सर बच्चों के बीच झगड़ा होने पर पैरेंट्स उनके साथ समान व्यवहार पर ध्यान नहीं दे पाते। कई बार किसी बच्चे को गलती के लिए ज्यादा डांट पड़ जाती है, तो कई बार दूसरे बच्चे की शैतानी इग्नोर हो जाती है। किसी बच्चे को डांटने या उसकी गलती निकालने से पहले दोनों से पूरी बात जानें।

रिस्पेक्ट का नियम बनाएं

बच्चों के लिए व्यवहार के नियम बनाएं कि उन्हें कैसे एक-दूसरे के साथ पेश आना चाहिए। चाहे कितना भी गुस्सा क्यों न आए, बच्चों को एक-दूसरे को कैसे रिस्पेक्ट देनी है, अगर पहले से ही इस बारे में नियम बनाकर रखेंगे तो बच्चे अपनी लिमिट में रहेंगे और सभी संभव उपायों पर काम करेंगे।

झगड़े का निपटारा करना सिखाएं

बच्चों को सिखाएं कि किसी प्रॉब्लम से उन्हें कैसे डील करना है। आप बच्चों को एक ही सिचुएशन को अलग-अलग तरह से देखने के लिए प्रेरित करें। इससे उनका नजरिया बदलने में मदद मिलेगी और बच्चों की आपसी नाराजगी भी कम होती जाएगी।

हर बच्चे की रुचि को सराहें

कई बार बच्चों की अलग रुचि ही उनके आपसी झगडे की वजह बनती है। एक बच्चे को नृत्य और बाहरी गतिविधियों, खेलकूद में आनंद आता है, तो दूसरे को इंडोर गेम्स और क्रिएटिव चीजों में। अगर पैरेंट्स के इंटरेस्ट किसी बच्चे से मेल खाते हैं तो वे उसकी तारीफ करने लगते हैं, वहीं दूसरे बच्चे की पसंद उनसे मेल नहीं खाती तो वे उसकी हॉबी को लेकर ज्यादा चर्चा नहीं करते। ऐसा करने से बच्चों में कॉम्प्लेक्स आ सकता है। ध्यान रखें कि बच्चे के इंटरेस्ट चाहे आपसे मेल खाएं या नहीं, आपको दोनों पर ध्यान देने और सराहना करने की जरूरत है।

रीडिंग हैबिट : अभिभावक रूम में बुक कॉर्नर बनाएं और उनको किताबें करें गिफ्ट ...बच्चे भी कर लेंगे किताबों से दोस्ती

प्रतीक्षा का 12 साल का बेटा है जो खेल-कूद में तो आगे है, लेकिन किताबों के नाम से दूर भागता है। जिसे लेकर वो काफी परेशान रहती हैं। ये समस्या हर उस घर की है जहां बढ़ती उम्र के बच्चे हैं। पैरेंट्स किताबें पढ़ने के लिए बच्चों पर तरह-तरह का दबाव तो डालते हैं, लेकिन सही तरीके नहीं अपनाते। चलिए हम बताते हैं कुछ ट्रिक्स, जिन्हें अपनाकर आप अपने बच्चों में डेवलप कर सकते हैं रीडिंग हैबिट।

पहले पढ़कर सुनाएं : इंट्रेस्टिंग किताबें लाएं। पहले खेल-खेल में किताब पढ़कर सुनाएं। इससे बच्चे में धीरे-धीरे पढ़ने की रुचि बढ़ेगी।

इंट्रेस्ट की बुक लाएं : बच्चों की उम्र के अनुसार उनके इंट्रेस्ट की किताबें लाएं। अपनी पसंद की किताबें पढ़ने का प्रेशर न डालें। इससे उनकी अरुचि और बढ़ेगी।

हेल्पफुल हो सकते हैं न्यूज पेपर : पढ़ने की आदत डालने में न्यूज पेपर हेल्पफुल बन सकते हैं। जब आप अखबार पढ़ें तो बच्चे को भी पास बैठा कर पेपर पढ़ने के लिए प्रेरित करें। नई-नई खबरों के बारे में उससे बात करें। इससे बच्चे की जानकारी भी बढ़ेगी और पढ़ने की आदत भी बनेगी।

गिफ्ट करें किताबें : बच्चे के बर्थ डे पर या किसी खास मौके पर उसे उपहार के तौर पर किताबें गिफ्ट करें।

लाइब्रेरी फ्रैंडली बनाएं : बच्चे को लाइब्रेरी ले जाएं। बहुत सारी किताबें देखकर उसकी रुचि जागेगी। बच्चे को अलग-अलग विषयों की किताबों के बारे में बताएं। वहां बैठे बहुत से लोगों को पढ़ते देख बच्चे को भी पढ़ने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

रूम में बनाएं बुक कॉर्नर : बच्चे के रूम में एक बुक कॉर्नर बनाएं। जिसमें अलग-अलग विषयों की किताबें रखें। बुक शेल्फ को रोचक तरीके से सजाएं। ये ट्रिक मददगार साबित होगी।

ई-बुक यूज न करें : बच्चे को ई-बुक यानी मोबाइल, लैपटॉप या टैब से किताबें पढ़ने की आदत बिल्कुल न डलवाएं। कई बार बच्चा पढ़ने का बहाना बनाकर गैजेट्स का मिस यूज भी कर सकता है।

टाइम-टेबल बनाएं

बच्चों की पढ़ाई के लिए टाइम-टेबल बनाना बहुत जरूरी है। जब भी टाइम-टेबल बनाएं, बच्चों के साथ अपना भी टाइम-टेबल साझा रखें। सुबह बच्चों को जल्दी स्कूल पहुंचना होता है, आपको भी दफ्तर पहुंचने की जल्दी होती है। इसलिए सुबह का समय टाइम-टेबल में शामिल नहीं हो सकता। पर जब आप दफ्तर से लौटते हैं, टीवी देखने या दफ्तर का काम निपटाने के बजाय रात को कम से कम दो घंटे का समय बच्चों के लिए रखें। चूंकि माताएं रात के भोजन की तैयारी और दूसरे घरेलू कामों में लग जाती हैं, इसलिए पिता को ही अपना समय बच्चों को देना होगा। रात को ग्यारह बजे

तक जगा जा सकता है।

बच्चों को पढ़ाते समय या उनके पढ़ते समय साथ बैठते समय, चाहें तो आप भी कुछ पढ़-लिख या दफ्तर का काम कर सकते हैं। पर ध्यान रखें कि आपकी नजर उनकी पढ़ाई पर हो। जैसे ही बच्चों को खुद पढ़ने के लिए छोड़ेंगे, वे दूसरी तरफ ध्यान लगाएंगे। बीच-बीच में बच्चों से उनकी पढ़ी हुई बातों के बारे में पूछते रहें।

यूएई में फिर बारिश-आंधी, स्कूल-दफ्तर बंद, उड़ानें कैंसिल

अबू धाबी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में बारिश ने एक बार फिर तबाही मचाना शुरु कर दिया है। भारी बारिश और आंधी के चलते कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें को रद करना पड़ा है। यूएई में भारी बारिश और तूफान के चलते ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया। आज भी यूएई में भारी बारिश होने की संभावना है। मौजूदा मौसम के कारण देश के सभी सरकारी स्कूलों में आज छात्रों की ऑनलाइन कक्षाएं होंगी। वहीं, ज्यादातर कंपनियों के कर्मचारी वर्क फॉम होम कर रहे हैं। पार्क और समुद्र तट बंद कर दिए गए हैं। अबू धाबी के कुछ इलाकों में गुरुवार को सड़कों पर पानी भर गया, जबकि जेबेल अली, अल मकतूम इंटरनेशनल एयरपोर्ट, दुबई इंडस्ट्रियल सिटी, दुबई इन्वेस्टमेंट्स पार्क और जुमेरा विलेज ट्राएंगल में तेज हवाएं चली हैं। बता दें कि 14-15 अप्रैल को भी भीषण बारिश के चलते अरब प्रायदीप के क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुए थे। इस दौरान दुबई में 1949 के बाद से सबसे अधिक बारिश हुई थी जो एक रिकार्ड थी। दुबई की एमिरेट्स एयरलाइन ने संयुक्त अरब अमीरात में खराब मौसम के कारण कई उड़ानें रद्द करने की घोषणा की।

पाकिस्तान में हादसा : पहाड़ी से फिसलकर नाले में गिरी बस ; 20 की मौत, कई घायल

पेशावर। उत्तर पश्चिम पाकिस्तान में शुक्रवार को एक बड़ा हादसा हो गया। जहां एक यात्री बस पहाड़ी इलाके से फिसलकर नाले में गिर गई, जिसमें सवार कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए हैं उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र के डायमेर जिले में काराकोरम राजमार्ग पर हुई। बस रावलपिंडी से हुंजा जा रही थी। इस दौरान चालक ने बस से नियंत्रण खो दिया और बस पहाड़ी से फिसलकर सीधे नीले में जा गिरी जिसमें कम से कम 20 यात्रियों की मौत हो गई और करीब 15 लोग घायल हो हुए है जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारी ने बताया कि यह साफ नहीं हो सका है कि बस में कितने यात्री सवार थे। अधिकारी ने बताया कि बचाव कार्य जारी हैं और शवों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। अस्पताल के एक सूत्र ने बताया कि मृतकों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। मरने वालों की संख्या और बढ़ने की आशंका है क्योंकि घायलों में से कई की हालत गंभीर है। गिलगित बाल्टिस्तान के मुख्यमंत्री हाजी गुलबार खान ने घटना पर अफसोस जाहिर करते हुए प्रशासन को घायलों को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करने का निर्देश दिए हैं। गिल्टगिट-बाल्टिस्तान सरकार के प्रवक्ता फैजुल्लाह फराक ने कहा कि दुर्घटना के बाद चिलास अस्पताल में आपातकाल घोषित कर दिया गया है। घायलों को इलाज जारी है।

एक ऐसा देश जिसकी कुल आबादी कुल आबादी 39 है, इनमें शामिल है 35 लोग और 4 कुत्ते

वॉशिंगटन । अमेरिका के नेवाडा में स्थित देश मोलोसिया की कुल आबादी 39 है, जिसमें 35 लोग और 4 कुत्ते शामिल हैं। यह एक माइक्रोनेशन है। इस देश के अपने अलग कानून, परंपरा, यहां तक की अलग करेंसी भी है। यहां के राष्ट्रपति बेखौफ होकर खुलेआम सड़कों पर घूमते नजर आ जाएंगे। इतना ही नहीं, अपने देश के हर नागरिक को वो पहचानते हैं और मिलना-जुलना भी होता है। बता दें कि 1977 में केविन बॉच और उनके एक दोस्त को अलग देश बनाने का विचार आया था। ऐसे में दोनों ने मिलकर मोलोसिया को एक माइक्रोनेशन के रुप में स्थापित किया। तब से लेकर अबतक केविन इस छोटे से देश के राष्ट्रपति हैं। उन्होंने खुद को वहां का तानाशाह घोषित कर रखा है, जबकि उनकी पत्नी को मोलोसिया की पहली महिला का दर्जा मिला है। केविन ने अपने जिस दोस्त के साथ माइक्रो नेशन मोलोसिया के स्थापना की कल्पना की थी, उसने थोड़े समय के बाद ही इस आइडिया को त्याग दिया। लेकिन केविन के मन में ये आइडिया घर कर गया और उन्होंने अपने इस शौक को आगे जारी रखा। यहां रहने वाले ज्यादातर नागरिक केविन के रिश्तेदार हैं, जो इस देश के बॉर्डर के आस-पास रहते हैं। लेकिन इस देश को अभी तक दुनिया की किसी भी सरकार से मान्यता नहीं मिला है। इस छोटे से देश में दुकान, लाइब्रेरी, श्मशान घाट के अलावा कई अन्य सुविधाएं मौजूद हैं। कई लोग इस अनोखे देश का टूर करने आते रहते हैं। लेकिन अंदर आने के लिए टूरिस्ट को अपने पासपोर्ट पर स्टैम्प लगवाना पड़ता है। पिछले 40 सालों से केविन यहां आने वाले पर्यटकों को अपने छोटे से देश की सैर करवाते हैं। ये टूर कुल 2 घंटे का होता है। घूमने आने वाले लोगों का कहना होता है कि ऐसे मिलनसार तानाशाह कम ही देखने को मिलते हैं। मोलोसिया की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, इस देश का कुल क्षेत्रफल 11.3 एकड़ है, जिसके राजधानी का नाम बॉघस्टन है। वहीं, 26 मई को नेशनल हॉली डे होता है।

चीन में बारिश से हाईवे ढहा, 48 की मौत

बीजिंग । साउथ चीन के गुआंग्डोंग प्रांत में तेज बारिश के कारण नेशनल हाईवे एस12 का एक हिस्सा ढह गया। इस हादसे में 48 लोगों की मौत हो गई और 30 से ज्यादा लोग घायल हैं। हादसा मीझोउ पहाड़ी के पास रात दो बजे हुआ, जिसमें सडक का एक लेन 18 मीटर तक नीचे ढह गया। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक हाईवे ढहने से 20 गाडियां नीचे गिर गईं, इनमें 54 से ज्यादा लोग सवार थे। घटना की जानकारी मिलने पर 500 राहत कर्मियों ने बचाव कार्य संभाला। चीन सरकार ने मामले में जांच के आदेश दिए हैं।

लॉस एंजिल्स में पुलिस अधिकारी फिलिस्तीन के समर्थन में नारे लगाने वाले छात्रों को गिरफ्तार करते हुए।

चीन ने लॉन्च किया मून मिशन, इस पर पाकिस्तान का सैटेलाइट ; 53 दिनों में चांद के सबसे अंधेरे हिस्से से सैंपल लाने का लक्ष्य

बीजिंग। भारत के चंद्रयान-3 मिशन के बाद अब चीन ने भी अपना मून मिशन लॉन्च कर दिया है। इस मिशन का नाम चैंगई-6 मिशन है और इसमें पाकिस्तान का आईक्यूब-क्त सैटेलाइट लगा हुआ है। इस सैटेलाइट में 2 कैमरे हैं, जो चांद की सतह की तस्वीरें लेंगे। मून मिशन को हैनान द्वीप के वेन्चांग स्पेस साइट से लॉन्ग मार्च 5 रॉकेट के जरिए लॉन्च किया गया। ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक, इस प्रोब का लक्ष्य चांद के दूर वाले हिस्से (जहां अंधेरा होता है) पर जाकर सैंपल इकट्ठे करके इन्हें धरती पर भेजना है। चीन का यह प्रोब 53 दिन तक चांद पर रहेगा, यानी 25 जून को यह धरती पर लौट आएगा। प्रोब शुरुआती कुछ दिन पृथ्वी की कक्षा में गुजारेगा और बाद में चांद की तरफ रवाना हो जाएगा। चीन ने साल 2030 तक इंसान को चांद पर भेजने का लक्ष्य रखा है। यह मिशन भी उसी टारगेट का हिस्सा है। अभी तक चांद पर जा चुके सभी 10 लूनर मिशन पास वाले हिस्से (जो हमें दिखता है) पर ही पहुंचे हैं। ऐसे में अगर चीन का मिशन सफल रहता है तो वो ऐसा करने वाला पहला देश बन जाएगा। चैंग ई-6 साउथ पोल-एटकेन बेसिन पर लैंड करेगा। यह चांद के तीन सबसे बड़े और प्रमुख जमीनी हिस्सों में से एक है। इसलिए इसकी साइंटिफिक वैल्यू बहुत ज्यादा है। चीन ने दूसरे देशों के साथ स्पेस को-ऑपरेशन बढ़ाने और रिश्तों को मजबूत करने के लिए उनके पेलोड ले जाने की घोषणा की थी। इसके तहत चीन पाकिस्तान के अलावा फ्रांस, इटली और यूरोपियन स्पेस एजेंसी का पे-लोड लेकर रवाना हुआ है।

53 दिनों का मिशन, 2 किलोग्राम सैंपल, जहां अब तक कोई नहीं गया, चांद पर उस जगह लैडिंग की योजना

ओटावा (एजेंसी)। संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ स्पेस वॉर में कंधे से कंधा मिलाने के लिए चीन तैयार नजर आ रहा है। इसी क्रम में चीन ने चंद्रमा के सुदूर हिस्से से नमूने एकत्र करने के लिए शुक्रवार को अपना मिशन लॉन्च कर दिया है। चांग%ई-6 जांच चीन का अब तक का सबसे जटिल रोबोटिक मून मिशन है और एक प्रमुख अंतरिक्ष शक्ति बनने के लिए बीजिंग के प्रयास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। 'चांग' चंद्र अन्वेषण का नाम चीन के मिथकों में मिलने वाली एक देवी के नाम पर पड़ा है। चंद्रमा के दूरस्थ हिस्से को पृथ्वी से नहीं देखा जा सकता है।

53 दिनों का मिशन, 2 किलोग्राम सैंपल करेगा जमा

53-दिवसीय मिशन अभूतपूर्व है और यह चीन के तेजी से परिष्कृत और महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष अन्वेषण कार्यक्रम में नवीनतम प्रगति होगी, जो पहले ही चंद्रमा के सुदूर हिस्से पर एक रोवर उतार चुका है, ऐसा करने वाला पहला देश बन गया है। चंद्रमा का रहस्यमय सुदूर भाग रेडियो खगोल विज्ञान और अन्य वैज्ञानिक कार्यों के लिए आदर्श है, लेकिन संचार बनाए रखने के लिए रिले उपग्रह की आवश्यकता होती है। सीएनएसए के अनुसार, चांग-6 में चार उपकरण- ''ऑर्बिटर, लैंडर, एसेंडर और री-एंट्री मॉड्यूल'' हैं। इस मिशन के जरिये चंद्रमा पर धूल और चट्टानों के नमूने एकत्र करने के बाद एसेंडर उन्हें ऑर्बिटर तक पहुंचाएगा, जो नमूनों को री-एंट्री मॉडयूल को स्थानांतरित करेगा।

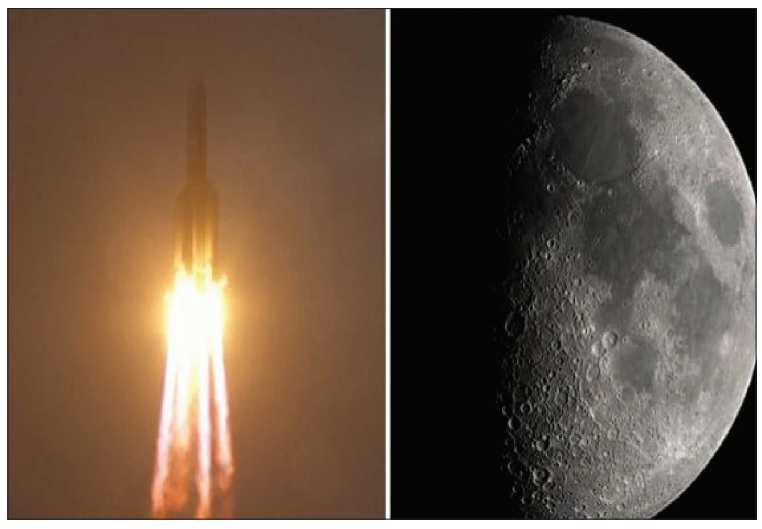

चंद्रमा की देवी के नाम पर मून मिशन

इस मिशन के जरिये चंद्रमा पर धूल और चट्टानों के नमूने एकत्र करने के बाद एसेंडर उन्हें ऑर्बिटर तक पहुंचाएगा, जो नमूनों को री-एंट्री मॉड्यूल को स्थानांतरित करेगा। इसके बाद, यह मॉड्यूल इन नमूनों को पृथ्वी पर लाएगा। सीएनएसए ने इससे पहले कहा था कि मिशन का उद्देश्य स्वचालित तरीके से नमूने एकत्र करना और फिर चंद्रमा के दूरस्थ हिस्से से उन्हें लेकर लौटने जैसी प्रमुख प्रौद्योगिकियों में सफलता हासिल करना है।

चंद्रयान-3 ने की थी चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैडिंग

चीन ने मंगल ग्रह पर भी रोवर भेजे हैं। इससे पहले, चीन ने 2030 तक चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्री को उतारने की अपनी योजना की घोषणा की थी। भारत, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास रोवर उतारने वाला पहला देश है। पिछले साल, भारत का चंद्रयान-3 लैंडर और प्रज्ञान रोवर वहां सफलतापूर्वक उतरा था। पृथ्वी के सम्मुख कभी न आने वाला चंद्रमा का दूरस्थ हिस्सा रेडियो खगोल विज्ञान एवं अन्य वैज्ञानिक कार्य के लिए उपयोगी है।

स्थानीय चुनावों के खराब नतीजों के बाद दबाव में प्रधानमंत्री सुनक

-40 साल में पार्टी का सबसे बुरा प्रदर्शन

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के मौजूदा पीएम ऋषि सुनक की पार्टी के लिए आगामी चुनाव की राह मुश्किलों भरी दिखाई दे रही है। पार्टी को चुनाव में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, स्थानीय चुनावों के खराब नतीजों के बाद रातोंरात स्थिती बदल गई है। इन चुनाव नतीजों को 40 साल में सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी का सबसे बुरा प्रदर्शन बताया जा रहा है।

कंजर्वेटिव पार्टी विपक्ष की लेबर पार्टी से पीछे छूटती दिखाई पड़ रही है। इतना ही नहीं ब्लैकपूल दक्षिण उपचुनाव में टोरी को मिले बहुमत भी पलट गया है। ऐसे में विपक्षी दल को लाभ मिलने के बाद भारतीय मूल के नेता सुनक को खुद की पार्टी के लोगों का विरोध झेलना पड़ सकता है। यह संभावना जताई जा रही है।

स्टर्मर ने एक प्रचंड जीत करार दिया

आम चुनाव से पहले उपचुनाव के आए नतीजे को लेबर पार्टी के नेता सर कीर स्टर्मर ने एक प्रचंड जीत करार दिया। साथ ही उन्होंने इस नतीजे को पार्टी के पक्ष में एक समग्र चुनावी जनादेश के रूप में घोषित किया।

ब्लैकपूल पूरे देश की आवाज

उपचुनाव को लेकर स्टर्मर ने कहा, ब्लैकपूल पूरे देश की आवाज है। यहां के लोगों को ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी को सीधा संदेश भेजने का मौका मिला और उनका संदेश था कि वह बदलाव के लिए वोट कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुनक के लिए यह स्पष्ट संदेश है कि अब बदलाव का समय है। आम चुनाव का समय है।

सबसे खराब प्रदर्शन

दरअसल, ब्लैकपूल साउथ में लेबर उम्मीदवार क्रिस वेब ने कंजर्वेटिव के नेता डेविड जोन्स को उस निर्वाचन क्षेत्र में हराया, जहां टोरी ने साल 2019 में जीत उपलब्ध की थी। प्रख्यात सर्वेक्षक प्रोफेसर जॉन कर्टिस ने का कहना है, हम पिछले 40 वर्षों में स्थानीय सरकार के चुनावों में कंजर्वेटिव पार्टी के सबसे खराब प्रदर्शन को देख रहे हैं।

भारत के खिलाफ बाइडेन ने ऐसा क्या कहा... व्हाइट हाउस को देनी पड़ रही सफाई

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन फिर भारत विरोधी बयान देने की वजह से सुर्खियों में हैं। अक्सर दूसरे देशों के मामले में दखल देने वाले बाइडेन ने भारत को एक जेनोफोबिक देश कहा है। बता दें कि जेनोफोबिया से ग्रसित उन्हें कहा जाता है जो अजनबियों से डरते हैं या बाहरी अपचरित व्यक्तियों से नफरत करते हैं। अब मामले के तूल पकड़ने के बाद व्हाइट हाउस की तरफ से बयान भी सामने आ गया है। व्हाइट हाउस ने अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन की जेनोफोबिक टिप्पणी पर सफाई देकर स्पष्ट किया है कि उन्होंने एक व्यापक बिंदु पर टिप्पणी की थी कि देश में अप्रवासियों का होना कितना जरूरी है और कैसे इनके कारण हमारा देश मजबूत बनता है। वह इस बारे में बात कर रहे थे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने कहा कि अमेरिकी सहयोगी और साझेदार अच्छी तरह से जानते हैं कि बाइडेन उनका कितना सम्मान करते हैं।

बाइडेन ने भारत के साथ चीन, रूस और जापान को भी जेनोफोबिक देश बताया था। 2024 में फिर से सत्ता में आने के लिए वाशिंगटन में फंड रेसिंग प्रोग्राम में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था के बढ़ने का एक कारण आप और कई अन्य लोग हैं। क्यों? क्योंकि हम अप्रवासियों का स्वागत करते हैं। बाइडेन इस साल होने वाले अमेरिकी चुनान में राष्ट्रपति पद की रेस में रिपब्लिकन उम्मीदवार और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ मैदान में हैं। उन्होंने अक्सर अपने प्रतिद्वंद्वी की आप्रवासी विरोधी बयानबाजी के लिए आलोचना की है।

भारत के खिलाफ शिकायत करने संयुक्त राष्ट्र पहुंचा पाकिस्तान, कर डाली इतनी सारी शिकायतें

वॉशिंगटन (एजेंसी)। देश में जो कुछ भी गलत होता है उसके लिए भारत को दोषी ठहराने की पाकिस्तान की लंबे समय से चली आ रही आदत का एक और उदाहरण, इस्लामाबाद संयुक्त राष्ट्र के दरवाजे पर पहुंच गया है। पाकिस्तान की तरफ से नई दिल्ली पर अतिरिक्त-न्यायिक और अतिरिक्त-क्षेत्रीय कार्य करने के अविवादित सबूत का आरोप लगाया है। पाकिस्तानी धरती पर हत्याएं. भारत द्वारा %व्यवस्थित अभियान% चलाने का पाकिस्तान का आरोप तब आया है जब कई देशों ने आतंकवादी समूहों द्वारा सीमा पार हमलों को चिह्नित किया है, जिन्हें वहां सुरक्षित आश्रय प्रदान किया गया है।

26 अप्रैल को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अपनी शिकायत में, पाकिस्तान, जिसका सीमा पार आतंकवादियों को भेजने का संदिग्ध रिकॉर्ड है। उसने अंतरराष्ट्रीय कानून, देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के उल्लंघन का दावा करके एक विडंबनापूर्ण हंगामा खड़ा कर दिया। इसमें आगे दावा किया गया कि भारतीय एजेंटों द्वारा संचालित एक नेटवर्क सक्रिय रूप से सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से भर्ती, वित्तपोषण और इन गतिविधियों के निष्पादन को

नियंत्रित करने में लगा हुआ है। अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए इन कार्रवाइयों की गंभीरता और निहितार्थ को देखते हुए, मैं संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से भारत द्वारा किए गए अंतरराष्ट्रीय कानून के इन उल्लंघनों को तुरंत संबोधित करने और निंदा करने का आग्रह करता हूं।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने लिखा कि भारत के राज्य-प्रायोजित आतंकवाद को तत्काल रोकने और इसका सम्मान करने का आह्वान करता हूं। सभी देशों की संप्रभुता और ऐसे सभी अपराधियों को जवाबदेह ठहराने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों का समर्थन करते हैं। इसने गैर-न्यायिक हत्याओं पर गार्जियन की एक हालिया रिपोर्ट का भी हवाला दिया, जिसे भारत ने झूठा और दुर्भावनापूर्ण प्रचार के रूप में स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है।

हर साल 25 कुंवारी लड़कियों को चुनकर अपना सेक्स गुलाम बनाता है तानशाह

प्योंगयांग (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन हर साल 25 कुंवारी लड़कियों को चुनते हैं। इन लड़कियों को चुनकर वे अपने प्लेजर स्क्वाड का हिस्सा बनाते हैं और अपने महल में रखकर शारीरिक संबंध बनाते हैं। रिपोर्ट में 30 साल की कोरियन यूट्यूबर और लेखिका ओनमी पार्क ने दावा किया है कि लड़कियों को चुनने में उनकी खूबसूरती के साथ राजनीतिक वफादारी को भी देखा जाता है। पार्क का दावा है कि प्लेजर स्क्वाड में शामिल करने के लिए उनकी भी दो बार खोज की गई थी लेकिन पारिवारिक स्थिति के कारण उन्हें नहीं चुना गया। ओनमी 2007 में 13 साल की उम्र में उत्तर कोरिया से भाग गई थीं। इसके बाद वह दक्षिण कोरिया और फिर अमेरिका चली गईं।

पार्क का कहना है कि लड़कियों को चुनने का काम बड़े स्तर होता है। सनकी तानशाह के लोग इसके लिए स्कूलों में जाकर भी सुंदर लड़कियों की तलाश करते हैं। एक बार जब उन्हें कुछ सुंदर लड़कियां मिल जाती हैं, तब उनकी पारिवारिक और राजनीतिक स्थिति की जांच की जाती हैं। उन सभी लड़कियों के नाम हटा दिए जाते हैं, जिनके परिवार के सदस्य उत्तर कोरिया से भाग गए हैं। या जिनके रिश्तेदार दक्षिण कोरिया और दूसरे देशों में हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, लड़कियों की पारिवारिक स्थिति की परख के बाद अगला कदम उनका मेडिकल परीक्षण होता है। मेडिकल जांच का मकसद ये देखना होता है कि लड़की वर्जिन हैं कि नहीं। इसके बाद कुछ और मेडिकल जांच से लड़कियों को गुजरना होता है। किसी लड़की के शरीर पर कोई छोटा सा निशान भी अयोग्यता की वजह बन सकती है। तमाम जांच के बाद जो लड़कियां चुनी जाती हैं, उन्हें राजधानी प्योंगयांग भेज दिया जाता है। लड़कियां जब प्लेजर स्क्वाड का हिस्सा बन जाती हैं, उनका काम सिर्फ और सिर्फ यौन सुख देना होता है। पार्क ने कहा कि किम जोंग उन के पिता किम जोंग इल का मानना था कि किशोर लड़कियों के साथ यौन अंतरंगता उन्हें अमर कर सकती है। किम जोंग इल ने इसके लिए 1980 के दशक में कुछ सुंदर लड़कियों को चुनने का फैसला लिया था। 2011 में 70 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से उनकी मौत हो गई और उनके बेटे किम जोंग उन के हाथ में सत्ता आ गई। किम जोंग उन भी इसी रास्ते पर चल रहे हैं।

पार्क का कहना है कि इस स्क्वाड में भी तीन अलग-अलग विभाग हैं। कुछ लड़कियों को मालिश में ट्रेनिंग दी जाती है। एक वर्ग किम और उसके करीबी लोगों के मनोरंजन के लिए गायन और डांस में माहिर होता है। तीसरा समूह यौन गतिविधियों के लिए होता है। इसमें शामिल लड़कियों को किम के साथ यौन संबंध बनाने

होते हैं। सबसे सुंदर लड़कियों को किम के पास भेजा जाता है। कम सुंदर लड़कियों को जनरलों और दूसरे राजनेताओं के पास भेजा जाता है। ओनमी पार्क का कहना है कि इस दस्ते की महिलाएं जब 25 साल की उम्र को पास कर लेती हैं, तब उन्हें रिटायर कर दिया जाता है। आमतौर पर उनकी शादी किम के अंगरक्षकों से कर दी जाती है। प्लेजर स्क्वाड की महिलाओं को सुरक्षा सेवाओं के सदस्य से शादी करने का विशेषाधिकार है।

केरल, दक्षिण तमिलनाडु के तटीय हिस्सों में समुद्र में ऊंची लहरें उठने की चेतावनी

तिरूवनंतपुरम। केंद्रीय एजेंसियों ने केरल और दक्षिण तमिलनाडु के तटीय इलाकों में मछुआरों एवं स्थानीय निवासियों के लिए इस बारे में एक 'रेड अलर्ट' जारी किया है कि शनिवार और रविवार को समुद्र में ऊंची लहरी उठ सकती हैं। समुद्र में अचानक ऊंची लहरें उठने की इस परिघटना को 'कल्लक्कड़ल' नाम से जाना जाता है। अधिकारियों ने यहां बताया कि भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केन्द्र (आईएनसीओआईएस) और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने यह चेतावनी जारी की है। अधिकारियों ने इस चेतावनी के मद्देनजर मछुआरों और तटीय इलाकों के निवासियों से आवश्यक एहतियात बरतने का आग्रह किया है। केरल आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के एक अधिकारी ने कहा, ''समुद्र में ऊंची लहरें उठने की एनडीएमए-आईएनसीओआईएस से चेतावनी मिली है।'' मौसम एजेंसियों ने कहा कि शनिवार तड़के ढाई बजे से रविवार रात साढ़े ग्यारह बजे की अवधि के दौरान समुद्र में ऊंची लहरें उठने की संभावना है। अधिकारियों ने कहा कि इस अवधि के दौरान काफी तेज हवा चलने और समुद्र में ऊंची लहरें उठने की संभावना है। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह सुनामी जैसी स्थिति नहीं है। इससे पहले दिन में, आईएनसीओआईएस ने कहा था कि समुद्र में 0.5 से 1.5 मीटर ऊंची लहरें उठने की संभावना है। आईएनसीओआईएस, एक केंद्रीय एजेंसी है जो देश में मछुआरों को समुद्री मौसम के बारे में चेतावनी जारी करती है। केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) और अन्य मौमस एजेंसियों ने एक बयान में लोगों को अधिकारियों के निर्देश के अनुसार खतरनाक क्षेत्रों से दूर रहने की सलाह दी है क्योंकि समुद्र का मौसम ज्यादा खराब होने की संभावना है। बयान के अनुसार, ''नौकाओं के बीच एक सुरक्षित दूरी रखकर उनके आपस में टकराने को टाला जा सकता है। मछली पकड़ने के उपकरणों की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।'' एजेंसियों ने लोगों को तटों से दूर रहने और समुद्र में नहीं उतरने की भी सलाह दी है। आईएनसीओआईएस के अनुसार, हिंद महासागर के दक्षिणी हिस्से में तेज हवाएं चलने के परिणामस्वरूप समुद्र में ऊंची लहरें उठती हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह के फर्जी वीडियो मामले में कांग्रेस के 05 कार्यकर्ता गिरफ्तार

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के फर्जी वीडियो मामले में तेलंगाना पुलिस ने पांच कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। तेलंगाना कांग्रेस के मीडिया प्रभारी कमल मेदागोनी ने कहा कि तेलंगाना इंटरनेट मीडिया संयोजक नवीन और तसलीमा सहित पांच लोगों को तेलंगाना भाजपा की शिकायत के आधार पर तेलंगाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसके पहले दिल्ली पुलिस की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक आपरेशंस (कारड) यूनिट ने केंद्रीय मंत्री शाह के वीडियो से छेड़छाड़ करके प्रसार के संबंध में सात से आठ राज्यों में 16 व्यक्तियों को समन जारी किया था। कथित फर्जी वीडियो में केंद्रीय गृह मंत्री को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि भाजपा देश में आरक्षण के खिलाफ है। हालांकि, भाजपा ने वायरल क्लिप को फर्जी बताया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, तलब किए गए लोगों में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी सहित तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस के छह सदस्य शामिल हैं। उन्हें कई राज्यों के अन्य व्यक्तियों के साथ एक मई को दिल्ली के द्वारका में आइएफएसओ इकाई में पूछताछ के लिए उपस्थित होने के लिए कहा गया था। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री शाह का फेक वीडियो को प्रसारित करना जम्मू-कश्मीर राज्य कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रमण भल्ला के बेटे जय सिद्ध भल्ला को भारी पड़ गया। एक वकील की शिकायत पर जम्मू त्रिकुटा नगर पुलिस थाने में जय भल्ला पर मामला दर्ज किया गया है। भल्ला कांग्रेस के जम्मू रियासी संसदीय क्षेत्र से प्रत्याशी हैं।

वाट्सऐप पर संदिग्ध मैसेज भेजने वालों का अकाउंट हो जाएगा लॉक, कुछ देर के लिए मैसेज जाना रुक जाएगा

नई दिल्ली । तमाम तरह के स्कैम और ठगी की गतिविधियों पर लगाम कसने के लिए वाट्सऐप कंपनी ने कई तरह के कदम उठाए हैं। इसी कड़ी में वाट्सऐप नया सेफ्टी फीचर भी लांच कर रही है, जो संदिग्ध मैसेज भेजने वालों के अकाउंट को कुछ देर के लिए लॉक कर सकती है और मैसेज जाना रुक जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार वाट्सऐप एक नया फीचर ला रहा है, जो किसी टार्गेट यूजर को मैसेज भेजने से रोक सकता है। जैसे ही वाट्सऐप को कोई संदिग्ध मैसेज मिलेगा, तो वह संबंधित यूजर का अकाउंट अस्थायी रूप से ब्लॉक कर सकता है और ऐसे यूजर कोई मैसेज नहीं भेज सकेंगे। इस फीचर की खास बात ये है कि यूजर का अकाउंट ब्लॉक होने पर भी वाट्सऐप पर मैसेज रिसीव कर सकेंगे। इतना ही नहीं इस पर रिप्लाई भी किया जा सकेगा। यूजर किसी भी ग्रुप में रिप्लाई कर सकेंगे, जिससे जरूरी कम्युनिकेशंस बना रहेगा। यह फीचर वाट्सऐप के नए अपडेट में शामिल हो जाएगा। यूजर जल्द ही इस तरह के फंक्शन का इस्तेमाल कर सकेंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसे अकाउंट जिनसे कोई अपशब्द वाले व्यवहार किए जाएंगे या स्पैम अथवा अन्य वॉयोलेशन होगा, उसे नया फीचर आसानी से डिटेक्ट कर लेगा। हालांकि, इसके लिए कंटेंट या कॉल को एक्सेस नहीं किया जाएगा, लेकिन ऐप का एआई यूजर के व्यवहार का पैटर्न पकड़ लेगा और संदिग्ध दिखते ही मैसेज की सुविधा को ब्लॉक कर देगा। वाट्सऐप का नया फीचर स्?कैम या फ्रॉड करने वालों को पहले चेतावनी देगा और फिर भी नहीं मानें तो उनका अकाउंट हमेशा के लिए बंद कर दिया जाएगा। अभी वाट्सऐप को ऐसी कोई संदिग्ध गतिविधि दिखती है तो वह संबंधित अकाउंट को ही ब्लॉक कर देता है। इस फीचर को अभी डेवलप किया जा रहा है और जल्द ही यूजर्स को इस्तेमाल के लिए पेश कर दिया जाएगा। बता दें कि वाट्सऐप तो आज हर आदमी की जरूरत बन चुका है। इस ऐप के बिना एक दिन भी गुजारना मुश्किल हो जाता है। लेकिन, आजकल इसका गलत इस्तेमाल होना भी शुरू हो गया है। तमाम तरह के स्कैम और ठगी के मामले सामने आते हैं, जिसमें वाट्सऐप का इस्तेमाल किया गया है।

रामलला के दर्शन कर भावुक हुए पाकिस्तानी श्रद्धालु, 33 शहरों के 223 श्रद्धालु पहुंचे अयोध्या

अयोध्या। पाकिस्तान के 33 शहरों के 223 श्रद्धालुओं ने अयोध्या पहुंचकर रामलला के दर्शन किए। श्रद्धालुओं का यह जत्था रायपुर पहुंचा। जहां से अमरावती व प्रयागराज होकर श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे हैं। इस यात्रा का अंतिम पड़ाव हरिद्वार होगा। रामलला के दरबार में जब पाक श्रद्धालु पहुंचे तब सभी श्रद्धालु रामलला के दर्शन कर भाव विभोर हो उठे। दर्शन के बाद श्रद्धालुओं ने बताया कि रामलला से प्रार्थना की है कि भारत व पाकिस्तान के रिश्ते जल्द से जल्द बेहतर हों। श्रद्धालु दो अलग-अलग जत्थों में अयोध्या पहुंचे और शुक्रवार की सुबह सरयू स्नान कर रामलला सहित विभिन्न मंदिरों में दर्शन-पूजन किया। अयोध्या की धार्मिकता से सभी श्रद्धालु बहुत ही प्रभावित दिखाई दिए। जत्थे का नेतृत्व कर रहे सदाणी दरबार के मुखिया साईं डॉ. युधिष्ठिर लाल ने बताया कि गुरु परंपरा के भक्त हर वर्ष यहां आते हैं। इस जत्थे में पाकिस्तान से कराची, लाहौर, सक्खर, घोटकी और हैदराबाद सहित कई शहरों के श्रद्धालु शामिल हैं। सबसे अधिक संख्या में सिंध प्रांत के आठ जिलों के श्रद्धालु शामिल हैं। अयोध्या पहुंचे पाक श्रद्धालुओं का सिंधी समाज की ओर से स्वागत किया गया। विहिप नेता गजेंद्र सिंह के निर्देशन में सभी श्रद्धालुओं को रामलला के दर्शन कराए गए। राममंदिर ट्रस्ट की ओर से सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर पाकिस्तानी पत्रकार ज्योति श्री माहेश्वरी ने बताया कि अयोध्या में जब प्राण प्रतिष्ठा हो रही थी, तब हमारे आंखों से आंसू गिर रहे थे। हम सभी इस क्षण के साक्षी बनना चाहते थे, लेकिन सीमाओं के बंधन के चलते नहीं आ सके। श्रद्धालुओं ने कहा कि हम भारत सरकार के शुक्रगुजार हैं, हमें अयोध्या आने का मौका मिला। सिंध प्रांत निवासी धनराज ने बताया कि वे 35 सालों से बेकरी चलाते हैं। पाकिस्तान में लोगों को धर्म-संस्कृति से जोड़ने की जरूरत है।

मां नरगिस की 43वीं पुण्यतिथि पर उन्हें याद कर भावुक हुए संजय दत्त

मुंबई। पिछले 44 साल से फिल्मों में सक्रिय संजय दत्त ने अपनी मां अभिनेत्री नरगिस दत्त की 43वीं पुण्यतिथि पर उन्हें याद कर फिर भावुक हो गए। संजय हर साल नरगिस की डेथ एनिवर्सरी पर काफी भावुक हो जाते हैं। संजय ने मां संग अपनी तस्वीरें शेयर कर एक भावुक पोस्ट लिखी है। संजय ने लिखा, मिस यू मां, हालांकि आप यहां नहीं हो, लेकिन आपकी मौजूदगी हर पल महसूस होती है, हमारे दिलों और हमारी यादों में बसी हैं मां, लव यू।

बूथ प्रबंधन से बेहतर चुनाव जीतने का कोई दूसरा रास्ता नहीं: अमित शाह

-बीजेपी कार्यकर्ता नये वोटरों और महिला मतदाताओं पर ध्यान दें

लखनऊ (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कानपुर की एक होटल में बीजेपी की संगठनात्मक बैठक में चुनावी रणनीति को लेकर पार्टी पदाधिकारियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने साफ तौर पर बताया कि बूथ प्रबंधन से बेहतर चुनाव जीतने का कोई दूसरा रास्ता नहीं है। उन्होंने बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र देते हुए कहा कि जो बूथ जीता वो चुनाव जीता।

शाह ने कहा कि पन्ना प्रमुख, मतदाताओं से संपर्क कर उन्हें बीजेपी का संकल्प पत्र देकर प्रधानमंत्री की गारंटी के बारे में बताएं और उनके घरों पर स्टीकर चिपकाएं। उन्होंने कहा कि जनता हमारे साथ है लोगों को मोदी की गारंटी पर भरोसा है। दो घंटे चली बैठक में अमित शाह ने पांचवें चरण की 14 लोकसभा सीटों की समीक्षा भी की। बरेली, बदायूं और सीतापुर में चुनावी जनसभाओं को संबोधित करने के बाद सीधे बैठक में पहुंचे अमित शाह ने कहा कि पहले दो चरणों का चुनाव बहुत अच्छा रहा है। बीजेपी की जीत के साफ संकेत मिल रहे हैं।

शाह ने कहा कि सामाजिक संपर्क को और बढ़ाएं। संपर्क के दौरान नये वोटरों और महिला मतदाताओं पर ध्यान दें। उन्हें पीएम मोदी की गारंटी के बारे में जरूर बताएं। पन्ना प्रमुखों के साथ-साथ बीजेपी नेता व कार्यकर्ता 100 फीसदी लोगों से संपर्क करेंगे और सुबह 7 बजे ही अपना, अपने परिवार के सभी मतदाताओं का मतदान कराएं। शाह ने कहा कि तीसरे चरण से लेकर अंतिम चरण तक हर सीट पर जीत का अंतर और बढ़ाना है। इसके लिए कार्यकर्ता पूरा जोर लगाएं। घर-घर संकल्प पत्र पहुंचाएं और मतदाताओं के साथ उनके घरों में चाय पर संकल्प पत्र को लेकर चर्चा करें। शाह ने पांचवें चरण की लखनऊ, मोहनलालगंज, रायबरेली, अमेठी, जालौन, झांसी, हमीरपुर, बांदा, फतेहपुर, कौशांबी, बाराबंकी, फैजाबाद, कैसरगंज और गोंडा सीट की समीक्षा की।

कोवैक्सीन का दावा : हमारी वैक्सीन का कोई साइड इफेक्ट नहीं

नई दिल्ली। एस्ट्रोजेनेका और भारत में कोविशील्ड पर सवाल उठने के बाद कोवैक्सीन बनाने वाली कंपनी भारत बायोटेक ने दावा किया कि हमारे कोरोना के टीके से खून का थक्का जमने, थ्रम्बोसायटोमेनिया, टीटीएस, वाआईटीटी, पेरिकार्डिटिज, मायोकार्डिटिज जैसा कोई खतरा नहीं है। भारत बायोटेक ने कहा कि सेफ्टी हमारे लिए सबसे पहले है। कंपनी ने कहा कि कोवैक्सीन एक मात्र हमारी वैक्सीन है, जिसका ट्रायल भारत में किया गया। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को एक याचिका दायर कर कोविशील्ड टीके के किसी भी संभावित दुष्प्रभाव और जोखिम कारकों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जज की देखरेख में एक चिकित्सा विशेषज्ञ समिति गठित करने का अनुरोध किया गया। याचिका के अनुसार ब्रिटेन मुख्यालय वाली दवा कंपनी 'एस्ट्राजेनेका' ने कहा है कि कोविड-19 के खिलाफ उसका टीका बहुत दुर्लभ मामलों में कम प्लेटलेट काउंट और रक्त के थक्के बनने का कारण बन सकता है। इस टीके को भारत में कोविशील्ड के रूप में लाइसेंस के तहत बनाया गया था। कोविशील्ड को लेकर केंद्र सरकार पर विपक्ष हमलावर है।

हैट्रीक पर राजनाथ सिंह की नजर, 5 बार सांसद रहे अटल बिहारी वाजपेयी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ उत्तर प्रदेश के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में से एक है। राज्य में 80 संसदीय सीटें हैं। लखनऊ सीट में पांच विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं जिनमें लखनऊ पश्चिम, लखनऊ उत्तर, लखनऊ पूर्व, लखनऊ मध्य और लखनऊ कैंट शामिल हैं। यह निर्वाचन क्षेत्र एक सामान्य सीट है और अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित नहीं है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), समाजवादी पार्टी (सपा), कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) इस निर्वाचन क्षेत्र में मुख्य दल हैं। इस सीट का प्रतिनिधित्व भाजपा के दिग्गज नेता और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने लगातार पांच बार 1991, 1996, 1998, 1999 और 2004 में किया।

2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने 3,47,302 वोटों के अंतर से लगातार दूसरी बार सीट जीती। उन्हें 56.64त्न वोट शेयर के साथ 6,33,026 वोट मिले। उन्होंने सपा उम्मीदवार पूनम शत्रुघ्न सिन्हा को हराया, जिन्हें 2,85,724 वोट (25.57त्न) मिले थे। कुल वैध मतों की संख्या 11,16,445 थी। कांग्रेस उम्मीदवार आचार्य प्रमोद कृष्णम 1,80,011 वोट (16.11त्न) के साथ तीसरे स्थान पर रहे। 2014 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने पहली बार इस सीट से जीत हासिल की। उन्हें 54.23त्न वोट शेयर के साथ 5,61,106 वोट मिले। कांग्रेस उम्मीदवार रीता बहुगुणा जोशी को 2,88,357 वोट (27.87त्न) मिले और वह उपविजेता रहीं।

सिंह ने जोशी को 2,72,749 वोटों के अंतर से हराया. इस निर्वाचन क्षेत्र में डाले गए वैध वोटों की कुल संख्या 10,33,883 थी। बसपा उम्मीदवार नकुल दुबे 64,449 वोट (6.23त्न) के साथ तीसरे और सपा उम्मीदवार अभिषेक मिश्रा 56,771 वोट (5.49त्न) के साथ चौथे स्थान पर रहे। आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवार और अभिनेता जावेद जाफरी महज 41,429 वोट (4.00त्न) के साथ पांचवें स्थान पर रहे।

इस बार का चुनाव

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, जो लखनऊ से दो बार के सांसद हैं, का सीधा मुकाबला इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार रविदास मेहरोत्रा ??से है, जो लखनऊ सेंट्रल विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी के विधायक हैं। सिंह प्रतिष्ठित संसदीय क्षेत्र से अपनी लगातार तीसरी जीत सुनिश्चित करने के लिए चुनाव लड़ेंगे, जिसका प्रतिनिधित्व 1991 से 2004 तक पांच बार दिवंगत प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने किया था।

लखनऊ विगत विजेता

लाल जी टंडन (भाजपा)= 2009, अटल बिहारी वाजपेई (बीजेपी)= 2004, अटल बिहारी वाजपेई (बीजेपी)= 1999, अटल बिहारी वाजपेयी (भाजपा)= 1998, अटल बिहारी वाजपेयी (भाजपा)= 1996, अटल बिहारी वाजपेयी (भाजपा)= 1991, मांधाता सिंह (जनता दल)= 1989, शीला कौल (कांग्रेस)= 1984, शीला कौल (कांग्रेस)= 1980, हेमवती नंदन बहुगुणा (बीएलडी)= 1977

अजमल और हुसैन को वोट देना नर गाय से दूध की उम्मीद करने जैसा

-सीएम सरमा ने असम की धुबरी में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कही यह बात

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के मौजूदा सांसद बदरुद्दीन अजमल और कांग्रेस उम्मीदवार रकीबुल हुसैन पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अजमल और हुसैन को वोट देना नर गाय से दूध की उम्मीद करने जैसा है। सरमा असम के मुस्लिम बहुल लोकसभा क्षेत्र धुबरी में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा, अजमल और हुसैन के लिए वोट करना नर गाय से दूध की उम्मीद करने जैसा होगा।

उन्होंने दावा किया कि सात मई को आम चुनाव के तीसरे चरण में असम गण परिषद (एजीपी), एआईयूडीएफ और कांग्रेस के उम्मीदवारों के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होगा। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि बीजेपी की सहयोगी एजीपी उन क्षेत्रों में समर्थन हासिल कर रही है, जहां पहले लोगों के बीच उनका कोई प्रभाव नहीं था। गोलकगंज में एक सार्वजनिक बैठक में उन्होंने क्षेत्र में एआईयूडीएफ और कांग्रेस के समर्थन में आई गिरावट पर कहा कि लोगों को एहसास हो गया है कि धुबरी में सांसद अजमल का अब दबदबा नही है और उन्हें रकीबुल हुसैन की भी जरूरत नहीं है। 13 उम्मीदवारों और 26 लाख से अधिक मतदाताओं के साथ राजनीतिक दौड़ ज्यादातर एआईयूडीएफ के बदरुद्दीन अजमल, कांग्रेस के रकीबुल हुसैन और एजीपी के जावेद इस्लाम के बीच है।

मुख्यमंत्री सरमा ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के माफिया राज वाले बयान पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी ने कांग्रेस शासन के दौरान माफिया राज के दिन नहीं देखे हैं। आज राज्य में न कोई बम विस्फोट होता है, न कोई गोली चलती है, न कोई उल्फा है, और न कोई एनडीएफबी, सिर्फ रकीबुल हुसैन का माफिया राज था। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रियंका और राहुल गांधी को असम के लोगों के बीच कोई समर्थन नहीं मिल रहा है।

सीएम सरमा के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस उम्मीदवार रकीबुल हुसैन ने सरम की आलोचना करते हुए कहा कि मौजूदा लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के बाद उन्होंने अपना रुख बदल लिया है। हुसैन ने दावा किया कि धुबरी में सरमा की नई रुचि उनकी इस मान्यता से पैदा हुई कि बीजेपी को अन्य समुदायों से पर्याप्त समर्थन नहीं मिल रहा है। धुबरी से कांग्रेस ही जीतेगी।

चंद्रमा के सतह की तुलना में नीचे बर्फ कई गुणा ज्यादा

– भारतीय वैज्ञानिकों के नए शोध से सबको चौंकाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। हालिया अध्ययन से इस बात की उम्मीद जगी है कि चंद्रमा के ध्रुवीय गड्ढों में पहले के अनुमान से काफी अधिक उपसतह जल बर्फ हो सकती है। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो के ताजा शोध से पता चलता है कि सतह के कुछ मीटर नीचे बर्फ की मात्रा सतह की तुलना में 5 से 8 गुना अधिक है।

यह दबी हुई बर्फ चंद्रमा पर लंबे समय तक मानव उपस्थिति को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। इसरो स्पेस एप्लीकेशन सेंटर (एसएसी) के टी चक्रवर्ती ने कहा, इस बर्फ के वितरण और गहराई की सटीक जानकारी भविष्य में इन चंद्र वाष्पशील पदार्थों का पता लगाने और नमूना लेने के लिए लैंडिंग स्थलों का चयन करने में महत्वपूर्ण साबित होगा। नासा के चंद्र टोही ऑर्बिटर (एलआरओ) पर सवार सात उपकरणों से डेटा का विश्लेषण करते हुए टीम ने पाया कि उत्तरी ध्रुवीय क्षेत्र में दक्षिणी ध्रुवों की तुलना में लगभग दोगुनी बर्फ है। माना जाता है कि बर्फ की उत्पत्ति प्राचीन चंद्र ज्वालामुखी के दौरान निकलने वाली गैस से हुई थी।

भारत के चंद्रयान-2 चंद्र ऑर्बिटर के रडार डेटा का उपयोग करते हुए निकाले गए निष्कर्ष संकेत देते हैं कि कुछ ध्रुवीय क्रेटर में बर्फ जमा हो सकती है। इसरो का कहना है कि नया अध्ययन चंद्रमा के वाष्पशील पदार्थों के इन-सीटू जांच के लिए उसकी भविष्य की योजनाओं का समर्थन करता है। पानी मानव जीवन के लिए एक बहुमूल्य संसाधन है। ऐसे में चंद्रमा की सतह के ठीक नीचे से बर्फ का होना एक नई संभावना पैदा करता है। बता दें कि चंद्रमा पर पानी की खोज को लेकर दुनियाभर के वैज्ञानिक सालों से खोज में जुटे हैं।

देवगौड़ा परिवार की करतूतों का खुलासा: लड़कियों के साथ घंटो बाथरुम में नहाता था प्रज्वल रेवन्ना

बेंगलुरु (एजेंसी)। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते की काली करतूतों का परत दर परत खुलासा हो रहा है। सैकड़ों महिलाओं के यौन शोषण के आरोपों से घिरा प्रज्वल रेवन्ना विदेश भाग गया है लेकिन कथित कुकर्म उसका लगातार पीछा कर रहे हैं। सैकड़ों आपत्तिजनक वीडियो सामने आए हैं। इन वीडियो में प्रज्वल रेवन्ना महिलाओं का यौन शोषण करते नजर आ रहे हैं। हालांकि प्रज्वल रेवन्ना और उनके परिवार ने इन वीडियो को फेक बताते हुए परिवार की छवि खराब करने का आरोप लगाया है। कर्नाटक सरकार ने एसआईटी गठित कर दी है। प्रज्वल जर्मनी में हैं और उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया है। एक शख्स अन्य शख्स ने बताया कि रेवन्ना के घर में काम करने वाली लड़कियां और महिलाएं घबराती थीं। वह उन्हें नहाते समय बाथरूम में आपने साथ ले जाता था। बाथरूम में उनका यौन शोषण करता था। जब वह नहाने जाता था तो घर की काम करने वाली महिलाएं यहां-वहां छिप जाती थीं ताकि वह बच सकें। कोई महिला या लड़की रेवन्ना से कोई मदद की आस लेकर आती थी तो वह उसे भी अपने जाल में फंसा लेता था।

वह महिलाओं और लड़कियों की मजबूरी का फायदा उठाता था। रेवन्ना परिवार की हनक के चलते हर कोई डरता था।

यहां के एक नागरिक ने बताया कि देवगौड़ा परिवार से यहां के लोग डरते हैं, क्योंकि बीते 20 साल से उनका यहां होल्ड रहा है। वह कहते हैं कि लोग एचडी देवगौड़ा का सम्मान करते हैं लेकिन रेवन्ना परिवार से डरते हैं। एक स्थानीय शख्स ने बताया कि ब्राह्मण वेद को मानते हैं। वह हर किसी को समान समझते हैं, गले लगाते हैं, लेकिन यह देवगौड़ा परिवार ब्राह्मण से भी खुद को ऊपर समझते हैं। रेवन्ना और उनके परिवार की संस्कृति ही अलग तरह की है। अगर दलित समुदाय का कोई शख्स उनसे मिलना चाहता है तो उसे सुबह जल्दी जाना पड़ता है, ऐसा इसलिए क्योंकि वह बिना नहाए ही दलितों से मिलते हैं। किसी कारण से रेवन्ना के घर जाकर उनसे मिल सुबह मिलता है। एक दूसरे स्थानीय शख्स ने बताया कि अगर सुबह उनके नहाने के बाद कोई दलित मिलने पहुंच गया तो वे नाराज हो जाते हैं। वह कहते हैं कि यह कोई समय है आने का? इस समय क्यों आए हो? वे अपने लोगों से हम लोगों को वहां से हटाने को कहते हैं। अगर कोई धोखे से उन्हें छू गया तो वह फिर से नहाते हैं। हालांकि ये लोग कहते हैं कि यह सिर्फ रेवन्ना परिवार के साथ है, देवगौड़ा ऐसे बिल्कुल नहीं हैं, वह हर किसी के साथ सामान व्यवहार करते हैं। लोगों ने बताया कि जब रेवन्ना यहां से जिला पंचायत सदस्य बने, विधायक और सांसद बनते गए, वैसे-वैसे वह देवगौड़ा को हम लोगों से दूर ले गए। वह सिर्फ वोक्कालिगा के लिए सोचते हैं, उनकी ही राजनीति करते हैं। कोई भी दलित उनके सामने बैठ नहीं सकता है। दलितों के बीच होने पर सिर्फ रेवन्ना परिवार के लिए ही कुर्सी होती है जबकि बाकी सबको खड़ा रहना पड़ता है।

अपना अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष कर रहे धर्मावरम के बुनकरों को नई सरकार से है काफी उम्मीद

धर्मावरम (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश की रेशम नगरी के रूप में प्रसिद्ध धर्मावरम के बुनकर अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं लेकिन विधानसभा चुनाव से उनमें उम्मीद जगी है कि उनकी आवाज भी सत्ता के गलियारे में सुनी जाएगी। पारपंरिक रूप से हथकरघा से साड़ी बुनने में यहां के बुनकरों को महारत हासिल है और यह धर्मावरम के ही बुनकर थे जिन्होंने पहली बार 1918 में ऐसी साड़ी बुनी थी जिसे माचिस की डिब्बी में रखा जा सकता था। हाल ही में यहां के बुनकरों ने अयोध्या में नवनिर्मित रामलला के मंदिर के लिए 180 फीट लंबी और 16 किलोग्राम वजनी साड़ी बुनी थी।

धर्मावरम के बुनकरों को शानदार डिजाइन और बेहतर गुणवत्ता की साड़ी बुनने के लिए जाना जाता है और इसलिए उनकी बुनी साड़ियों की तुलना तमिलनाडु के कांचीपुरम में बुनी जाने वाली प्रतिष्ठित कांजीवरम साड़ियों से की जाती है। धर्मावरम में एक समय हथकरघा उद्योग फल-फूल रहा था जो अब कई समस्याओं का सामना कर रहा है जिनमें 'पावरलूम' के आने की वजह से सस्ते वैकल्पिक कपड़ों की आमद शामिल है। इस समस्या को बुनकरों की कमी और विकराल बना देती है क्योंकि नयी पीढ़ी अन्य स्थानों पर बेहतर अवसरों की तलाश में जा रही है।

यहां बाकी बचे बुनकर कच्चे माल की कीमतों में हुई बढ़ोतरी और सरकार की कम होती मदद के बाद अपने पेशे को बचाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कोटापेटा कॉलोनी में रहने वाले 50 वर्षीय बुनकर के आदिनारायण ने कहा, ''हमारे लिए अपनी कला को बचाए रखना मुश्किल होता जा रहा है।'' उन्होंने बताया, ''राज्य सरकार ने 24 हजार रुपये की सलाना सब्सिडी बंद कर दी है जिसकी मदद से हम रेशम और जरी की कीमत में वृद्धि का मुकाबला करते थे।'' बुनकरों के मुताबिक रेशम की कीमत 2011 में 2600 रुपये प्रति किलोग्राम थी जो अब बढ़कर 5600 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है।

उन्होंने बताया कि यहां तक 2011 में जहां आधा किलोग्राम शुद्ध जरी 1200 रुपये में मिल जाता था अब उसकी कीमत पांच हजार रुपये हो गई है। आदिनारायण ने कहा कि जमानतदार नहीं होने की वजह से कच्चा माल खरीदने के लिए 'मुद्रा ऋण' योजना से 50 हजार रुपये भी प्राप्त करना मुश्किल हो रहा है। बुनकरों की मुश्किल बाजार में पावरलूम से बनी और धर्मावरम साड़ियों के नाम पर बेची जाने वाली सस्ती साड़ियों की बाढ़ ने भी बढ़ा दी है। एक अन्य बुनकर के. शंकरैया(50) ने भी कहा कि उन्हें दो साल से सब्सिडी नहीं मिली है। उन्होंने सरकार से नियमों को आसान बनाने की मांग की ताकि आसानी से ऋण प्राप्त की जा सके।

आगामी विधानसभा चुनाव से धर्मावरम के लोगों को हालात में सुधार होने की उम्मीद है। धर्मावरम में इस समय 48,000 बुनकर, 19,000 हथकरघा और 2,4820 साड़ी की दुकानें हैं। इस विधानसभा क्षेत्र से वाईएसआर कांग्रेस के मौजूदा विधायक के. वेंकट रामी रेड्डी दोबारा उम्मीदवार हैं जबकि कांग्रेस ने रंगना अश्वर्थ नारायण को मैदान में उतारा है। भाजपा की तरफ से यहां वाई. सत्य कुमार मैदान में हैं।

आंध्र प्रदेश की 175 सदस्यीय विधानसभा का चुनाव 13 मई को राज्य की 25 लोकसभा सीट के साथ होगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

मतदान से वंचित होने को लेकर पूर्व पार्षद और 'आप' नेता दिनेश काछड़िया का कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन

सूरत लोकसभा के १९ लाख मतदाताओं के

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत लोकसभा सीट निर्विरोध घोषित हो चुकी है. कांग्रेस प्रत्याशी नीलेश कुंभानी का पर्चा रद्द होने को लेकर आप नेता दिनेश काछड़िया ने प्रशासनिक व्यवस्था पर कई सवाल उठाए हैं. कांग्रेस के इंडिया गठबंधन के नेता भी इस मुद्दे पर नीलेश कुंभानी का विरोध कर रहे हैं. आप नेता और पूर्व पार्षद ने कलेक्टर कार्यालय में अनोखी उपस्थिति में एक बार फिर विरोध किया. यदि नीलेश कुंभानी के समर्थकों के हस्ताक्षर व्यक्तिगत रूप से किये जाने थे तो वे हस्ताक्षर गलत क्यों निकले? आपने आज तक इस बारे में कुछ क्यों नहीं कहा? ऐसे सवाल दिनेश काछड़िया द्वारा उठाए गए हैं.

आम आदमी पार्टी नेता और पूर्व पार्षद दिनेश काछड़िया बैनर लेकर अठवालाइन्स स्थित कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और अपना विरोध जताया. दिनेश काछड़िया ने कहा कि पूरे खेल में प्रत्याशी नीलेश कुंभाणी और उनके समर्थकों का हाथ है, तो इसकी सजा सूरत के १९ लाख लोगों को क्यों मिलेगी? इस संबंध में दिनेश काछड़िया ने कलेक्टर सूरत को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे आपके सामने एक शिकायत है. लोकतंत्र की इज्जत उतारने का खेल अभी आपकी आंखों के सामने हुआ है, जिसके कारण आपको चिंता है कि सूरत लोकसभा के अलावा अन्य सीटों पर मतदान कम हो जाएगा, इसी कारण से आपने पीसी भी की है, यह अच्छी बात है कि आप इसके बारे में चिंतित हैं.

इसके साथ ही दिनेश काछड़िया ने कलेक्टर सूरत को लेकर भी सवालिया निशान लगाते हुए पूछा कि अगर इस चाल को अंजाम देने वाले लोगों को आपके सामने नीलेश कुंभानी के समर्थकों के हस्ताक्षर करने थे तो वे हस्ताक्षर गलत क्यों निकले? आपने अब तक इस बारे में कुछ क्यों नहीं कहा? इस चाल को अंजाम देने वाले नीलेश कुंभानी के समर्थकों के खिलाफ अब तक जांच क्यों नहीं शुरूहुई? दिनेश काछड़िया ने आगे कहा कि अगर यह कारनामा करने वाले लोग निलेश कुंभानी के समर्थक थे, जो फॉर्म भरने के समय मौजूद नहीं थे और कुंभानी का फॉर्म इस तरह से नियम विरुद्ध तरीके से भर दिया गया, तो गंभीर लापरवाही के लिए कौन जिम्मेदार है?

गौरतलब है कि निलेश कुंभानी के समर्थक फॉर्म वापस लेने के दिन यह कहकर वापस चले गये थे कि फॉर्म में हस्ताक्षर नहीं हैं. वहीं कुंभाणी फॉर्म रद्द होने से सूरत के उन्नीस लाख से अधिक जागरूक नागरिक मतदान से वंचित हो गये हैं. इस बार लोग वोट देने के लिए काफी उत्साहित थे, लेकिन सूरत में हालात ऐसे बन गए जैसे लोगों के अरमानों पर पानी फिर गया हो.

आरटीई के दूसरे चरण में ८ मई तक स्कूलों का दोबारा चयन किया जा सकेगा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

९६६ निजी स्कूलों में कक्षा १ की ९७१३ सीटों के मुकाबले ८१९६ बच्चों को पहले दौर में प्रवेश आवंटित किया गया था।

आरटीई के तहत पहले राउंड के अंत में खाली हुई १,५१७ सीटों के लिए दूसरे राउंड के लिए स्कूलों की दोबारा चयन प्रक्रिया शुरू हो गई है, जो ८ मई तक जारी रहेगी। जिन छात्रों को पहले राउंड में प्रवेश नहीं मिला, वे दूसरे राउंड में भाग ले सकेंगे। उपलब्ध विवरण के अनुसार, १५ अप्रैल को शिक्षा विभाग ने आरटीई के पहले राउंड की घोषणा की, जिसमें ९,७१३ सीटों के मुकाबले ८,१९६ बच्चों को प्रवेश आवंटित किया गया। शहर के ९६६ निजी स्कूलों में कक्षा १ में १,५१७ सीटें खाली पाई गईं।

इस बार आरटीई में ३७,१२३ बच्चों के फॉर्म ऑनलाइन भरे गए, जिनमें से २७,८२१ बच्चों के फॉर्म स्वीकृत हुए और ९,३०२ फॉर्म खारिज कर दिए गए। अंत में, पहले दौर के बाद १,५१७ सीटें खाली रह गईं। अब शिक्षा विभाग ने इन खाली सीटों के लिए दूसरा राउंड शुरू कर दिया है। जिन छात्रों के आवेदन स्वीकृत हो गए हैं और जिन्हें पहले दौर में प्रवेश नहीं मिला, उन्हें रिक्त सीटों पर फिर से स्कूल चुनने का अवसर दिया जाएगा। जानकारी मिल रही है कि यह ऑपरेशन ३ से ८ मई तक चलेगा।

सूरत में नीलेश कुंभानी और डमी कैंडिडेट के खिलाफ 'ठग ऑफ सूरत' के लगे बैनर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत लोकसभा सीट पर बड़ा सियासी ड्रामा उत्पन्न हुआ था. कांग्रेस उम्मीदवार नीलेश कुंभानी का फॉर्म रद्द होने के बाद सूरत लोकसभा सीट को निर्विरोध घोषित कर दिया गया और बीजेपी प्रत्याशी मुकेश दलाल को विजयी घोषित कर दिया गया. उसके बाद से लगातार शहर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं. आरोप लगाए जा रहे हैं कि नीलेश कुम्भानी और डमी कैंडिडेट के तौर पर सुरेश पडसाला ने नामांकन फॉर्म रद्द करने की साजिश रची है. विभिन्न इलाकों में बैनर लगाकर विरोध जताया गया है. इन सब के बीच कांग्रेस के युवा संगठन के नेता ने कहा कि इन दोनों लोगों ने शहरी लोगों का वोट देने का अधिकार छीन लिया है, ये दोषी हैं. सूरत की जनता इन गद्दारों को कभी माफ नहीं करेगी.

नीलेश कुंभानी को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में विरोध जारी है. अलग-अलग क्षेत्र में नीलेश कुंभानी के विरोध में बैनर लगा कर विरोध किया जा रहा है. कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने देर रात सूरत में अलग-अलग जगहों पर नीलेश कुम्भानी और कांग्रेस के डमी कैंडिडेट सुरेश पडसाला के बैनर लगाए गए. जिस पर नीलेश कुम्भानी और सुरेश पडसाला की फोटो के साथ ठग ऑफ सूरत लिखा साथ ही कार्यकर्ताओं ने कुंभानी की तस्वीर पर जूते भी फेंके.

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि हम इन दो बड़े ठगों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं. सूरत की जनता इन दोनों गद्दारों को कभी माफ नहीं करेगी. पूरे देश के इतिहास में सूरत लोकसभा पहली ऐसी बनी जिसमें किसी उम्मीदवार को निर्विरोध विजेता घोषित किया गया. इससे सूरत शहर की छवि भी खराब हुई है. हम नीलेश कुंभानी और सुरेश पडसाला के बैनर लगाकर विरोध कर रहे हैं.

भाजपा हो रही कांग्रेस युक्त सूरत वार्ड नंबर १६ के कांग्रेस अध्यक्ष समेत १०० से ज्यादा कार्यकर्ता भाजपा में शामिल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, भारतीय जनता पार्टी में बड़े पैमाने पर भर्ती अभियान चल रहा हो ऐसा लग रहा है. कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी, नेता और कार्यकर्ता रोजाना प्रदेश भर के अलग-अलग शहरों में पार्टी छोड़ कर भाजपा में शामिल हो रहे हैं.लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी मजबूत होने के लिए विपक्षी पदाधिकारियों और नेताओं का अपनी पार्टी में स्वागत कर रही है. कुछ दिनों पहले ही पास, आप पार्टी के और मालदारी समाज के पदाधिकारी, नेता और कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए थे. जिसके बाद सूरत के वार्ड नंबर १६ के कांग्रेस वार्ड अध्यक्ष समेत करीब १०० कार्यकर्ता राज्य के शिक्षा मंत्री की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हुए.

सूरत की सियासत गरमा गई है. राज्य के शिक्षा मंत्री प्रफुल्ल पंसेरिया की मौजूदगी में वार्ड नंबर १६ के वार्ड अध्यक्ष जगदीश असोदरिया ने भाजपा का दामन थामा. उनके साथ करीब १०० कांग्रेस कार्यकर्ता भी भाजपा में शामिल हुए. पिछले दो महीने से लगातार कांग्रेस और आप के पदाधिकारी, नेता और कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो रहे हैं. इस संबंध में राज्य के शिक्षा मंत्री प्रफुल्ल पंसेरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकास की विचारधारा को लोग स्वीकार कर रहे हैं, सूरत वार्ड नंबर ३, १६, १७, इन सभी क्षेत्रों के कांग्रेस और आप कार्यकर्ता, युवा और लोग भाजपा में शामिल हो रहे हैं . मैं भारतीय जनता पार्टी का समर्थन करने वाले सभी लोगों का हृदय से स्वागत करता हूं. देश नई दिशा में आगे बढ़ रहा है. देश मजबूत हो रहा है और २०४७ का भारत समृद्ध भारत बन रहा है. जबकि सभी लोग भाजपा पार्टी और नरेंद्र भाई का समर्थन कर रहे हैं, पूरा भारत देश नरेंद्र भाई का परिवार बन रहा है. मैं इन युवाओं को सलाम करता हूं क्योंकि वे जातिवाद, प्रांतवाद और भाषावाद को खत्म कर राष्ट्रवाद को अपना रहे हैं.

लोकसभा चुनाव से पहले पुणा पश्चिम वार्ड अध्यक्ष जगदीश असोदरिया द्वारा की गई पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने उन्हें कांग्रेस की सदस्यता से निलंबित कर दिया है. वार्ड अध्यक्ष के पद पर रहते हुए भी वह पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त रहे हैं, जिसे गंभीरता से लेते हुए पार्टी ने उन्हें तत्काल निलंबित करने का निर्णय लिया है.

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाएगी चार जोड़ी समर स्पेशल ट्रेनें

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विशेष किराए पर चार जोड़ी समर स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है. इन ट्रेनों में ट्रेन संख्या ०९०५९ की बुकिंग ०५ मई, २०२४ , जबकि ट्रेन संख्या ०९१६७, ०९००१ एवं ०९१२७ की बुकिंग ०४ मई, २०२४ से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरूहोगी. ट्रेनों के ठहराव के समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं.

ट्रेन संख्या ०९०५९/०९०६० सूरत-ब्रह्मपुर स्पेशल (साप्ताहिक) [१२ फेरे]

ट्रेन संख्या ०९०५९ सूरत-ब्रह्मपुर स्पेशल प्रत्येक बुधवार को सूरत से १४:२० बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन २०:१५ बजे ब्रह्मपुर पहुंचेगी. यह ट्रेन २२ मई २०२४ से २६ जून २०२४ तक चलेगी. इसी तरह, ट्रेन संख्या ०९०६० ब्रह्मपुर-सूरत स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को ब्रह्मपुर से ०४:३० बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन १४:४५ बजे सूरत पहुंचेगी. यह ट्रेन २४ मई २०२४ से २८ जून २०२४ तक चलेगी. यह ट्रेन दोनों दिशाओं में नंदुरबार, धरनगांव, जलगांव, भुसावल, अकोला, वर्धा, नागपुर, तुमसर रोड, गोंदिया, दुर्ग, रायपुर, महासमुंद, खरियार रोड, कांटाबांजी, टिटलागढ़, केसिंगा, मुनिगुडा, रायगड़ा, पार्वतीपुरम, बोब्बिली, विजयनगरम, श्रीकाकुलम रोड और पलासा स्टेशनों पर रुकेगी.

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी २-टियर, एसी ३-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड कोच होंगे.

ट्रेन संख्या ०९१६७/०९१६८ सूरत-भागलपुर-दाहोद स्पेशल (०२ फेरे)

ट्रेन संख्या ०९१६७ सूरत-भागलपुर स्पेशल शनिवार, ०४ मई, २०२४ को सूरत से २०.०० बजे प्रस्थान करेगी और सोमवार को १३.०० बजे भागलपुर पहुंचेगी. इसी तरह, ट्रेन संख्या ०९१६८ भागलपुर-दाहोद स्पेशल सोमवार, ०६ मई, २०२४ को भागलपुर से १७.०० बजे प्रस्थान करेगी और बुधवार को ०२.३० बजे दाहोद पहुंचेगी. यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज, मिर्ज़ापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, पटना, बख्तियारपुर, मोकामा, किऊल, जमालपुर और सुल्तानगंज स्टेशनों पर रुकेगी. ट्रेन संख्या ०९१६७ का उधना, चलथान, बारडोली, नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी और रानी कमलापति स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव होगा. ट्रेन संख्या ०९१६८ का संत हिरदाराम नगर, उज्जैन, नागदा और रतलाम स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव होगा.

इस ट्रेन में स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे.

ट्रेन संख्या ०९००१/०९००२ उधना-जयनगर स्पेशल ट्रेन (०२ फेरे)

ट्रेन संख्या ०९००१ उधना-जयनगर रविवार, ०५ मई, २०२४ को उधना से ११.२५ बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन २३.०० बजे जयनगर पहुंचेगी. इसी प्रकार, ट्रेन संख्या ०९००२ जयनगर- उधना स्पेशल मंगलवार, ०७ मई, २०२४ को जयनगर से ०२.०० बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन १४.३० बजे उधना पहुंचेगी. यह ट्रेन दोनों दिशाओं में चलथान, बारडोली, नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, पटना, बख्तियारपुर, मोकामा, बरौनी, समस्तीपुर, दरभंगा और मधुबनी स्टेशनों पर रुकेगी.

इस ट्रेन में स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे.

ट्रेन संख्या ०९१२७/०९१२८ उधना-आसनसोल-उज्जैन स्पेशल (०२ फेरे) ट्रेन संख्या ०९१२७ उधना-आसनसोल स्पेशल शनिवार, ०४ मई, २०२४ को उधना से २०.३५ बजे प्रस्थान करेगी और सोमवार को १४.१५ बजे आसनसोल पहुंचेगी. इसी प्रकार ट्रेन नं. ०९१२८ आसनसोल-उज्जैन स्पेशल सोमवार, ०६ मई, २०२४ को आसनसोल से १८.०० बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन २३.५० बजे उज्जैन पहुंचेगी. यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, पटना, बख्तियारपुर, मोकामा, झाझा, जसीडीह, मधुपुर और चित्तरंजन स्टेशनों पर रुकेगी. ट्रेन संख्या ०९१२७ का चलथान, बारडोली, नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी, रानी कमलापति और दानापुर स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव होगा. ट्रेन संख्या ०९१२८ का मिर्जापुर और संत हिरदाराम नगर स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव होगा.

इस ट्रेन में स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे.

नवसारी सीट पर प्रचार कर रही मुमताज पटेल, कहा- मेरी प्राथमिकता मेरी पार्टी का उम्मीदवार है

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, गुजरात में लोकसभा चुनाव का प्रचार आखिरी चरण पर है. सोनिया गांधी के राजनीतिक सलाहकार अहमद पटेल की बेटी मुमताज पटेल नवसारी लोकसभा सीट पर कांग्रेस के लिए प्रचार में जुटी हैं. नवसारी लोकसभा सीट के लिए पिछले दो दिनों से प्रचार चल रहा है.

नवसारी लोकसभा सीट पर प्रचार करने पहुचीं मुमताज पटेल ने पत्रकारों से बातचीत में साफ कहा कि,ज्चैतर वसावा ने मुझे प्रचार के लिए नहीं बुलाया और मेरे लिए मेरी पार्टी और मेरे उम्मीदवार ज्यादा महत्वपूर्ण हैं. और इसीलिए मैं अभी उनका प्रचार प्रसार कर रही हूं. भरूच लोकसभा सीट के लिए आम आदमी पार्टी काफी अच्छी तैयारी कर रही है. लेकिन मैं वहां नहीं गई हूं और अब मैं वहां प्रचार करने नहीं जा पाऊंगी क्योंकि मेरा अगला कार्यक्रम तय हो गया है. चुनाव आते ही धर्म की राजनीति शुरूहो जाती है. आजादी के बाद पहली बार भरूच सीट पर कांग्रेस का कोई उम्मीदवार नहीं है जो बेहद दुखद है. लेकिन जो गठबंधन हुआ है. उसे में भी विश्वास करना होगा. आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के आर्थिक विकास की बात कर रहे हैं. देश महाशक्ति बनने जा रहा है. अर्थव्यवस्था विकास के मामले में दुनिया की प्रमुख आर्थिक महाशक्तियों की बराबरी कर रही है. ऐसी बातें करने के बजाय अब वे एक बार फिर मंगलसूत्र और हिंदू-मुसलमान पर आ गए हैं. २०१२ में हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थे. अब भी देश की क्रय शक्ति बढ़ी है और लोग आर्थिक रूप से प्रगति कर रहे हैं, इसलिए प्रधानमंत्री कोई भी हो, देश इसी प्रकार प्रगति करेगा.